साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 08 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
साय सरकार : नए बजट की तैयारी शुरू

पेज 12 में...
इंडि-गो फ्लाइट फेल

वर्ष : 01 अंक : 40 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 08 प्रदेश में 22.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी

स्टेडियम का सांय सांय सौदा...

कौड़ियों के भाव सौंप दिया गया देश का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम

अनॉफिशियल कॉम्पलीमेंट्री टिकट्स का नहीं है कोई हिसाब किताब

सैकड़ों करोड़ों की ब्रॉडकास्टिंग,और लोकल स्पॉन्सरशिप फीस भी तय नहीं

एक साल का किराया 1.5 करोड़ रु और एक दिन की कमाई 9.6 करोड़

जिनका खेल और क्रिकेट से दूर दूर का नाता नहीं वो बन बैठे हैं कर्ताधर्ता

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी (मो.7000681023)

क्या छत्तीसगढ़ की जनता और प्रदेश की संपत्ति का कोई माई बाप नहीं...? यह सवाल ऐसे ही नहीं उठ रहा। मामला प्रदेश की जनता की गाढ़ी कमाई और करोड़ों की लागत से निर्मित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को सस्ते में बीसीसीआई को सौंप देने का है। इस पूरे सौदे में सरकार की भूमिका, सीएससीएस और चंद ब्यूरोक्रेट्स की कथित रायशुमारी की खूब चर्चा है। सौदे की शर्तें, नियम और छत्तीसगढ़ को क्या लाभ मिला इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। बृजमोहन अग्रवाल खेल मंत्री बने। पहली ही समीक्षा बैठक में उन्होंने यह ठान लिया कि इस अधूरे पड़े स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हर हाल में तैयार करना है। सवाल यह उठता है कि क्या उनसे भी पूछा गया है?

शहर सत्ता/रायपुर। 140 करोड़ रु की लागत से बना स्टेडियम में महज 1.5 करोड़ रु सालाना किराए पर तीस साल के लिए लीज पर दे दिया। मैच में प्राइज डिस्ट्रिब्यूशन सेरेमनी में राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व की अनदेखी भी भविष्य की तस्वीर साफ कर देती है। क्रिकेट बोर्ड और राज्य संघों के बीच क्रिकेट स्टेडियम की सुपुर्दगी और टिकट की खरीद फरोख्त को लेकर स्थानीय स्तर पर बहस छिड़ गई है।

छत्तीसगढ़ सरकार और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के बीच नया रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के संचालन, उन्नयन और प्रबंधन के लिए 30 साल की लीज का करार हो गया है। नए मॉडल के तहत अब संघ संचालन, रख-रखाव और तकनीकी उन्नयन की पूरी जिम्मेदारी संभालेगा। सीएससीएस हर साल सरकार को 1.5 करोड़ भुगतान करेगा।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मैच पर 20 लाख और आईपीएल मैच पर 30 लाख रुपए अतिरिक्त दिए जाएंगे। आमतौर पर टिकट राजस्व का 70:30 मॉडल माना जाता है। इसी आधार पर राज्य संघ की हिस्सेदारी का अनुमान लगाया गया है। टिकटों और वेंडर्स से फीस मिलती है, उस राजस्व का हिस्सा क्रिकेट संघ से साझा किया जाता है। इसके पहले 2023 में हुए मैच में भी राज्य संघ को लगभग 1.7 करोड़ रुपए की होस्टिंग फीस बीसीसीआई की ओर से दी गई थी। जबकि टिकट से हुई कमाई संघ ने सभी मदों पर खर्च करना बताया है। इसके अलावा ब्रॉडकास्टिंग और सेंट्रल स्पॉन्सरशिप से होने वाली कमाई पर पूरा नियंत्रण बीसीसीआई का ही रहता है। हालांकि इन आय का विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाता।

CSCS हर साल राज्य शासन को करेगा 1.5 करोड़ रुपये का भुगतान

समझौते के प्रमुख तथ्यों के अनुसार, CSCS हर वर्ष 1.5 करोड़ रुपये का भुगतान राज्य शासन को करेगा, जिसमें हर तीन वर्ष में स्वचालित वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मैच के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच पर 20 लाख रुपये तथा आईपीएल मैच पर 30 लाख रुपये का भुगतान सरकार को किया जाएगा, जिसमें भी हर तीन वर्ष में वृद्धि होगी। यह मॉडल राज्य सरकार के लिए एक ओर स्थायी और बढ़ता हुआ राजस्व सुनिश्चित करेगा तथा दूसरी ओर स्टेडियम का उपयुक्त रखरखाव भी करेगा और राज्य में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक अंतर्राष्ट्रीय मैचों के आयोजन का रास्ता खोलेगा।

पिटारे में बंद संघ का विलय विवाद

स्टेडियम के दीर्घकालीन पूर्ण संचालन, उन्नयन और अधिकतम उपयोग की जिम्मेदारी अब सीएससीएस की होगी। समझौते (अनुबंध) पर खेल विभाग की संचालक तनुजा सलाम और सीएससीएस के डायरेक्टर बलदेव सिंह भाटिया ने हस्ताक्षर किए।

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ और एसोसियेशन ऑफ छत्तीसगढ़ क्रिकेट के बीच विलय को लेकर साल 2007 से चल रहा विवाद सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद विवादों में हैं। सुप्रीमकोर्ट ने इसकी हाईकोर्ट में सुनवाई के आदेश दिए थे, जिसके बाद हाईकोर्ट ने कमेटी बनाकर इस मामले में संघ और राज्य सरकारों से विलय संबंध में जवाब-तलब किया था, उक्त मामले में कमेटी अपनी रिपोर्ट अब तक कोर्ट में प्रस्तुत नही कर सकी है। लिहाजा संघ के बीच विलय का यह विवाद सालों से पिटारे में ही बंद है। उक्त विवाद में यह कहा गया है कि एसोसियेशन ऑफ छत्तीसगढ़ क्रिकेट का विलय छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ में हो गया है, संघ द्वारा इसके हस्ताक्षर पत्र भी सौंपे गए थे, जिसके बाद इसका विलय हो गया। लेकिन बाद में एसोसियेशन ऑफ छत्तीसगढ़ क्रिकेट के पदाधिकारियों ने इसे फर्जी विलय करार देते हुए कोर्ट में याचिका दायर की। जिसके बाद आज तक यह विवाद लोढ़ा कमेटी के पिटारे में ही बंद है।

वर्जन हमारे बॉस ही दे पाएंगे : अजय कुमार

सीएससीएस के मीडिया सलाहकार अजय कुमार से जब बीसीसीआई को स्टेडियम सौंपने और इससे राज्य सरकार को होने वाले फायदे और नुकसान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस खबर पर वर्जन हमारे बास ही दे पाएंगे, लेकिन इस वक्त वो शादी में हैं आपकी मैं कल बात करवाता हूं।

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का हुआ कंपनी रजिस्ट्रेशन

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने रजिस्ट्रेशन ऑफ पंजीयन एंड फर्म सोसाइटी से अपना पंजीयन रद्द करवाकर अब कंपनी एक्ट में पंजीयन करवा लिया है। सालों तक सीएससीएस का पंजीयन राज्य पंजीयन एवं फर्म सोसाइटी था, लेकिन अब सीएससीएस का रजिस्ट्रेशन कंपनी एक्ट में होने के बाद इसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव की जगह सीधे डायरेक्टरों के पद शामिल हो गए हैं। वहीं, सीएससीएस के कंपनी रजिस्ट्रेशन के बाद इसके बीसीसीआई द्वारा दिए गए मान्यता को लेकर क्रिकेट संघ के पूर्व पदाधिकारियों द्वारा मान्यता रद्द करवाने पत्राचार किए जाने की बात सामने आ रही है।

निर्णय क्रिकेट विकास और अवसर बढ़ाने के लिए : सरकार

राज्य सरकार के अनुसार, यह निर्णय प्रदेश में क्रिकेट संरचना के विकास, खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय अवसर और बड़े टूर्नामेंट आकर्षित करने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का कहना है कि पहले स्टेडियम के रख-रखाव पर 3–5 करोड़ रुपए का खर्च जनता के करदाताओं के पैसों से किया जाता था, जबकि अब बीसीसीआई के माध्यम सीएससीएस इसका व्यवस्थापन करेगा और सरकार को वार्षिक 1.5 करोड़ रुपए और मैच शुल्क प्राप्त होगा, जिसमें हर तीन वर्ष में वृद्धि का प्रावधान है। सरकार का मत है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों, BCCI इवेंट्स और IPL मैचों से प्रदेश की पहचान बढ़ेगी, खेल पर्यटन को लाभ मिलेगा और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी, जो भविष्य में आर्थिक लाभ भी प्रदान करेगी।

स्व. अजीत जोगी ने रखी थी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला

छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के सबसे बड़े ढांचे के रूप में स्थापित नवा रायपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम आज जिस राजनीतिक और खेल विवाद का केंद्र बना है, उसकी शुरुआत प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के कार्यकाल में हुई थी। अजीत जोगी ने ही नवा रायपुर में इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी थी और इसके निर्माण के लिए HUDCO से 10 करोड़ रुपए का कर्ज भी स्वीकृत करवाया था। उस समय राज्य सरकार का उद्देश्य था कि नवगठित छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों के क्षेत्र में पहचान मिले और प्रदेश के खिलाड़ियों को बड़े प्लेटफॉर्म पर प्रतिस्पर्धा का अवसर प्राप्त हो, जिसके बाद 2003 प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और राज्य सरकार ने 2006 में स्टेडियम का निर्माण सरकारी खर्च से पूरा कराया और इसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानकों के अनुरूप विकसित किया।

बीसीसीआई को स्टेडियम हैंडओवर करने का फैसला जल्दबाजी : अनिल पुसदकर

स्टेट क्रिकेट संघ के अविभाजित मध्यप्रदेश के रायपुर डिवीजन के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल पुसदकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट स्टेडियम को बीसीसीआई और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को हैंडओवर करने का फैसला सरकार ने बेहद जल्दबाजी में लिया है। देश के सबसे बड़े और आधुनिक स्टेडियमों में गिने जाने वाले इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम को सिर्फ ₹1.5 करोड़ सालाना लीज शुल्क और होस्टिंग फीस ₹1.60 करोड़ में से महज ₹20 लाख प्रति मैच के हिसाब से तीस वर्षों के लिए देना, सरकार के राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाने वाला निर्णय साबित होगा। पुसदकर ने कहा कि अन्य राज्यों जैसे हैदराबाद में कुल आय का 10–15% हिस्सा राज्य को मिलता है और ग्रीन पार्क स्टेडियम अभी भी यूपी सरकार के स्वामित्व में है, इसलिए छत्तीसगढ़ को भी मैचों की कुल कमाई में हिस्सा तय करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मैच से कमाई सैकड़ों करोड़ तक पहुंचती है, ऐसे में टिकट राजस्व का केवल छोटा प्रतिशत तय करना समझ से परे है। उन्होंने सलाह दी कि सरकार को अनुबंध की शर्तों का विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन कर पुनर्विचार करना चाहिए और स्टेडियम की आय से राज्य स्तरीय क्रिकेट अकादमी और खिलाड़ियों के विकास हेतु संसाधन जुटाने चाहिए, अन्यथा वर्तमान अनुबंध यह दर्शाता है कि क्रिकेट बोर्ड जीत गया और राज्य सरकार हार गई।

जल्दबाजी में और निजी लाभ को पहुंचाने वाला निर्णय : अमिताभ

एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ क्रिकेट के सचिव अमिताभ दीक्षित ने कहा कि स्टेडियम को बीसीसीआई के अधीन सौंपने का निर्णय जल्दबाजी में और निजी लाभ को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि जिस स्टेडियम के निर्माण और मेंटेनेंस में सरकार के लगभग ₹200 करोड़ से अधिक खर्च हो चुके हैं, उसके बदले वार्षिक ₹1.5 करोड़ लीज शुल्क और ₹20 लाख प्रति अंतरराष्ट्रीय मैच के हिसाब से तीन दशक के लिए सौंप देना राज्य सरकार के वित्तीय हितों के साथ गंभीर धोखा है। दीक्षित ने दावा किया कि हाल ही में हुए एक अंतरराष्ट्रीय मैच में ₹8 करोड़ से अधिक की कमाई हुई, और यदि एक वर्ष में 10–11 मैच होते हैं, तो कमाई का अधिकांश भाग बीसीसीआई और निजी ऑपरेटर्स को मिलेगा, जबकि राज्य सरकार को बहुत कम हिस्सा मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में बीसीसीआई स्वयं जमीन खरीदकर स्टेडियम बनाता है, पर छत्तीसगढ़ में जनता के पैसे से बना स्टेडियम लगभग मुफ्त में दे दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का मामला अभी लोढ़ा समिति में लंबित है, और विवाद का निपटारा होने से पहले ऐसा अनुबंध करना समझ से परे है। उनका आरोप है कि स्टेडियम समझौते का उद्देश्य मैच कराने से अधिक प्राप्त धन की आंतरिक बंदरबांट करना है, जिससे राज्य हित का भारी नुकसान होगा।

स्टेडियम को लगभग मुफ्त में दे दिया गया है : संजय पाठक

एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ क्रिकेट के अध्यक्ष संजय पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बीसीसीआई को सिर्फ ₹30 लाख सालाना मेंटेनेंस शुल्क और 11 मैचों की मेजबानी का अधिकार देना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि स्टेडियम को लगभग मुफ्त में दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम आम जनता के टैक्स से बना है, और यदि मैचों से होने वाली टिकट, प्रसारण और स्पॉन्सरशिप आय का लाभ प्रदेश को नहीं मिलेगा, तो छत्तीसगढ़ के लिए मैच कराने का कोई अर्थ नहीं बचता। पाठक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने नवा रायपुर स्टेडियम की आधारशिला रखी थी और HUDCO से ₹10 करोड़ का वित्तीय प्रबंध कर निर्माण शुरू कराया था, जिसे बाद में भाजपा सरकार ने अपने खर्च से पूरा किया। उनका कहना है कि निर्माण और रख-रखाव में करोड़ों खर्च के बाद बीसीसीआई को इतनी कम राशि में देना दर्शाता है कि सरकार और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ पदाधिकारियों की मिलीभगत से यह निर्णय लिया गया, जिसका उद्देश्य पद और लाभ के लिए खेल संरचना का निजीकरण करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ ने सोसाइटी एक्ट का पंजीकरण रद्द कराकर कंपनी एक्ट में खुद को दर्ज कराया, और खेल से असंबंधित व्यवसाय, जैसे शराब कारोबार करने वाले लोग डायरेक्टर बना दिए गए, जो खिलाड़ियों और खेल हित के लिए गंभीर खतरा है।

महापंचायत : करणी सेना अध्यक्ष ने त्यागा अन्न-जल

होम मिनिस्टर से मिलने की जिद पर धरने पर बैठे, मांगें नहीं मानी गई तो गृहमंत्री को घेरेंगे

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर पुलिस ने सूदखोरी, जबरन वसूली और अवैध हथियार रखने के केस में हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर को अरेस्ट किया है। तोमर के सपोर्ट में राजपूत करणी सेना 8 मांगों को लेकर महापंचायत कर रही है। इनमें TI-CSP के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल है। महापंचायत के बीच राज शेखावत वीरेंद्र सिंह तोमर की पत्नी समेत 10 लोगों के साथ इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की मांग की, लेकिन नहीं मिलाने पर वह रेड क्रॉस सोसायटी परिसर में ही धरने पर बैठ गए हैं। शेखावत ने अन्न-जल त्याग दिया है। हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर के पक्ष में राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे।

महापंचायत के मंच से राज शेखावत ने कहा कि 15 दिन पहले हमने अपनी मांगों को लेकर आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिसवालों के खिलाफ भी एक्शन नहीं लिया गया। 4 बजे तक का समय दिया गया है। अगर मांगें नहीं मागी गई तो गृहमंत्री जहां होंगे, वहां के लिए कूच करेंगे। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने कुछ पदाधिकारियों को थाने में हिरासत में लिया है। 500 लोगों को नजरबंद किया है। बताया जा रहा है कि मुंगेली जिले से आ रही 7 बसें, बिलासपुर से 4 बसें, सिमगा में 4 बसें और 17 फोर व्हीलर्स को रोका गया है। वहीं प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल हॉक फोर्स को तैनात किया गया है।

टीआई योगेश कश्यप को निलंबित करने की मांग

राज शेखावत ने कहा कि थाना प्रभारी योगेश कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण (FIR) दर्ज किया जाए। इन्होंने रोहित तोमर की पत्नी भावना तोमर के साथ कस्टडी में अश्लील हरकतें की। वहीं जुलूस निकालने का वीडियो वायरल होने के बाद क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर विरोध किया था। शेखावत ने तोमर की कार्रवाई में शामिल पुलिसवालों और रायपुर SSP के घर में घुसने की धमकी दी थी। इस धमकी के बाद मौदहापारा थाने में पुरानी बस्ती थाने के पूर्व थानेदार योगेश कश्यप ने FIR दर्ज कराई थी। शेखावत ने कहा था कि वीरेंद्र तोमर एक व्यापारी था। उसने लोगों को जरूरत पड़ने पर पैसे दिए। उन पैसों को वापस मांगा। वह व्यापारी था इसी तरह लाखों लोग फाइनेंस का काम करते हैं।

पुलिस ने वीरेंद्र तोमर को नंगे पैर घुमाया

करणी सेना ने ज्ञापन में लिखा कि वीरेंद्र सिंह तोमर को गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सार्वजनिक रूप से जुलूस निकाला। नंगे पैर घुमाया। हथकड़ी लगाकर मीडिया कवरेज कराया। तोमर की पत्नी, माता, बेटी और परिवार की महिला सदस्यों के साथ बदसलूकी की गई। पुलिस ने नियमों का पालन नहीं किया।

वीरेंद्र सिंह तोमर को प्रताड़ित किया गया- शेखावत

इस दौरान करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा कि रायपुर SSP लाल उम्मेद सिंह की अध्यक्षता में वीरेंद्र सिंह तोमर को मानसिक-शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। कस्टोडियल एक्सेस और प्रशासनिक लापरवाही हुई है। उन्हें तत्काल पदमुक्त किया जाए। राज शेखावत ने कहा कि क्षत्रिय करणी सेना के पदाधिकारियों पर आधारहीन और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठे प्रकरणों को तत्काल निरस्त किया जाए।

छत्तीसगढ़ में IT रेड, 300 करोड़ की टैक्स चोरी की आशंका

लोहा-स्टील कारोबारियों से डिलीट डेटा भी रिकवर

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोहा-स्टील कारोबारियों के ठिकानों में IT टीम की जांच जारी है। रविवार शाम तक जांच पूरी होने की संभावना है। आयरन-स्टील कारोबारी और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर इनकम टैक्स के अफसरों की कार्रवाई रविवार को चौथे दिन भी जारी है। आयकर विभाग की टीम ने 4 दिसंबर की सुबह करीब 45 जगहों पर छापा मारा था। अफसरों को 300 करोड़ से ज्यादा के टैक्स चोरी का शक है। जांच टीम में 200 अधिकारी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में लोहा कारोबारियों के 50 ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा पड़ा। गुरुवार को रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और रायगढ़ में स्पंज आयरन, स्टील रोलिंग, पॉवर प्लांट और जमीन कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी गई। अधिकारियों ने 7 दिसंबर यानी आज शाम तक छापे की कार्रवाई पूरी होने की संभावना जताई है। कारोबारियों के बयान दर्ज किए हैं। जांच के दौरान फर्जी बिलिंग, सर्कुलर रूटिंग, इंटर-कंपनी एंट्रीज और खर्चों को बढ़ाकर दिखाने जैसे तरीकों से बड़े स्तर पर टैक्स चोरी के संकेत मिले हैं।

इस नेटवर्क से 20 से ज्यादा कंपनियों के जुड़े होने की बात सामने आ रही है। अधिकारियों के अनुसार ब्लैक मनी को प्रॉपर्टी और रियल एस्टेट में लगाने की आशंका है। साइबर एक्सपर्ट की टीम ने डिलीट डेटा रिकवर किए हैं। रेड के दौरान कैश या सोना नहीं मिला है। लेकिन जांच में महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। इनमें अंदरूनी हिसाब-किताब की शीट, मैसेज रिकॉर्ड और फाइलों में की गई नोटिंग्स शामिल हैं। जिनसे छुपे हुए पैसों के लेन-देन के कई सबूत सामने आए हैं।

इन कारोबारियों के ठिकानों पर रेड

हिंदुस्तान कॉइल के अरविंद अग्रवाल, महामाया स्टील के राजेश अग्रवाल, ओम स्पंज के रवि बजाज, राधामणि स्टील के अंकुश अग्रवाल, बिजनेसमैन महेश गोयल सहित इनके रिश्तेदारों, बिजनेस पार्टनर्स से जुड़े कई ठिकानों पर जांच चल रही है।

अफसरों पड़ताल में मिले यह साक्ष्य

अधिकारियों के अनुसार रेड में कारोबारियों के ठिकानों से कंप्यूटर, हार्ड डिस्क, लेजर, फाइनेंशियल रजिस्टर, लैंड डील रिकॉर्ड, डिजिटल डेटा जब्त किया गया है। इनमें से ज्यादातर की हाई-इंटेंसिटी क्लोनिंग, वेरिफिकेशन हो रही है।

ब्लैक मनी को वाइट करने का शक

सिलतरा इंडस्ट्रियल बेल्ट में टीमों ने यूनिट-वाइज प्रोडक्शन डॉक्यूमेंट्स, MS पाइप यूनिट रिकॉर्ड, रैक की गई खरीद फाइलों, रियल एस्टेट से जुड़े इन्वेस्टमेंट ट्रेल्स की बड़े पैमाने पर जांच की। जिनमें से कुछ शायद बिना हिसाब की इनकम के डायवर्जन से जुड़े हैं। अफसरों के अनुसार शुरुआती पैटर्न से पता चलता है कि ब्लैक मनी को प्लॉट, कॉमर्शियल प्रॉपर्टी, रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में लगाया गया हो सकता है।

जांच प्रमुख PDIT इन्वेस्टिगेशन विंग के रवि किरण

यह छापेमारी PDIT इन्वेस्टिगेशन विंग के प्रमुख IRS अधिकारी के रवि किरण की अगुवाई में की जा रही है, जिन्होंने हाल में ही पदभार संभाला है। नई टीम ने हाई-सीक्रेसी मॉडल, मल्टी-सिटी समन्वय और तेज रणनीति अपनाते हुए ऑपरेशन शुरू किया है। कार्रवाई पूरी होने के बाद अफसर औद्योगिक कॉरिडोर में लंबे समय से छिपे वित्तीय घोटाले को उजागर करने का दावा कर रहे हैं।

पाक से तस्करी कर पंजाब के रास्ते रायपुर पहुंची 80 लाख की हेरोइन

1600KM का स्मगलिंग रूट, राजधानी में खपा रहे थे 9 डीलर्स, 4 नेटवर्क थे एक्टिव

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर पुलिस ने हेरोइन (चिट्टा) सप्लाई नेटवर्क को खत्म कर दिया है। 4 छोटे सप्लायर नेटवर्क ने पंजाब से रायपुर तक 1600KM लंबी सप्लाई चेन बना रखी थी। पुलिस ने एक साथ 9 सप्लायर्स को अरेस्ट किया। इनके पास से 400 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी कीमत 80 लाख रुपए है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक कार, 4 बाइक और 10 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इनकी कीमत लगभग 1 करोड़ 3 लाख रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कबीर नगर, आमानाका, सरस्वती नगर और आजाद चौक पुलिस स्टेशनों में FIR दर्ज की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, कमलेश अरोड़ा उर्फ लाली, बगेल सिंह, आयुष दुबे और गगनदीप सिंह के नेटवर्क रायपुर में हेरोइन सप्लाई करने में शामिल थे। ये ड्रग डीलर पंजाब से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में हेरोइन लाते थे, फिर उसे रायपुर में छोटे नेटवर्क के जरिए बांटते थे।

ऐसे गिरफ्त में आए ड्रग सप्लायर

दरअसल, सरस्वती नगर पुलिस को एक इन्फॉर्मर से टिप मिली थी कि साइंस कॉलेज ग्राउंड के पास D D U ऑडिटोरियम रोड पर ड्रग्स की डील होने वाली है। एक काली हुंडई कार में कुछ युवक हेरोइन बेचने के लिए कस्टमर ढूंढ रहे हैं। इन्फॉर्मर से पुख्ता जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम अलर्ट हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची। इलाके को घेर लिया। दोनों लोगों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 26.22 ग्राम हेरोइन बरामद की। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग 2 लाख 60 हजार 100 बताई जा रही है।

ड्रग तस्करों की कार भी जब्त

वहीं पुलिस ने मौके से हेरोइन के अलावा एक हुंडई कार (CG 04 NT 3892) भी बरामद की, जिसकी कीमत लगभग 20 लाख है। साथ ही 7 मोबाइल फोन भी बरामद किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 74,000 है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी रायपुर के रहने वाले हैं। ड्रग्स तस्करों में एक का नाम आयुष दुबे उर्फ मयंक है, जो पंचशील नगर का रहने वाला है। वहीं दूसरे आरोपी का नाम मृत्युंजय दुबे उर्फ MD है, जो पचपेड़ी नाका का रहने वाला है। रायपुर पुलिस के मुताबिक, अगस्त 2025 में एक बड़े नारकोटिक्स ऑपरेशन के बाद से वे शहर में ड्रग डीलरों पर कड़ी नजर रख रहे थे। पहले कुछ बड़े ड्रग सप्लायर पंजाब से ड्रग्स लाकर बेचते थे, लेकिन पुलिस ने नेटवर्क को खत्म कर दिया था। इसके बाद कई छोटे नेटवर्क एक्टिव हुए।

ड्रग नेटवर्क ध्वस्त

कमलेश उर्फ लाली नेटवर्क

भूमिका: बड़े सप्लायरों का फ्रंट, कैश कलेक्शन और डिलीवरी

कॉन्टैक्ट बेस: पंजाब और दुर्ग-भिलाई सप्लायर्स

एक्टिव एरिया: धमतरी, बलौदाबाजार, जगदलपुर

जब्ती: 303 ग्राम चिट्टा (28 नवंबर 2025)

बगेल सिंह नेटवर्क

भूमिका: पंजाब से चिट्टा ला कर लोकल पैकेटिंग व सप्लाई

बैकग्राउंड: पहले रायपुर में ड्राइवर, बाद में खुद नेटवर्क बनाया

एक्टिव एरिया: लोकल पेडलर्स को सप्लाई

जब्ती: 51.85 ग्राम हेरोइन (3 दिसंबर 2025)

आयुष दुबे नेटवर्क

भूमिका: खुद भी नशे का आदी, बाद में सप्लायर बना

टीम सपोर्ट: मृत्युंजय, तन्मय, खिलावन, सोनू—फाइनेंस और नेटवर्क

सप्लाई लिंक: पंजाब रूट

जब्ती: 31.66 ग्राम हेरोइन (5 दिसंबर 2025)

गगनदीप सिंह नेटवर्क

भूमिका: टियर-2 सप्लायर—बड़े से खरीदकर छोटे पैकेट में बेचता

सप्लाई पैटर्न: बल्क से रिटेल तक ब्रेकिंग

जब्ती: 15.18 ग्राम हेरोइन (6 दिसंबर 2025)

साय सरकार : नए बजट की तैयारी शुरू

24 दिसंबर तक बजट होगा तैयार, वित्त विभाग ने सभी विभागों से मांगी योजनाओं की क्रियान्वयन रिपोर्ट

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने मार्च 2026 में अपना तीसरा मुख्य बजट पेश करने की तैयारी तेज कर दी है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से मोदी की गारंटी और संकल्प-पत्र में दिए गए वादों के क्रियान्वयन का पूरा हिसाब मांगा है। यह बजट राज्य सरकार के दो साल पूरे होने के बाद पहली बार मोदी की गारंटी के आधार पर तैयार किया जाएगा। विभागों से 10 दिसंबर से चर्चाओं का दौर शुरू होगा और 24 दिसंबर तक सभी विभागों की जानकारी के आधार पर बजट का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

17 बिंदुओं की गाइड लाइन जारी की

वित्त विभाग ने 17 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की है। इसमें यह भी देखा जाएगा कि पिछले बजट की राशि का कितना उपयोग हुआ और प्रमुख योजनाएं धरातल पर कितनी सफल रहीं। कई विभाग बजट का पूरा हिस्सा खर्च नहीं कर पाते हैं, इसलिए सभी विभागों से योजनाओं का विस्तृत विवरण मांगा गया है। नए पदों के सृजन और भर्ती की स्थिति भी विभागों से ली जाएगी, खासकर शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में। इसके अलावा दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिक कर्मचारियों की जानकारी भी आवश्यक होगी। सरकार का प्रयास है कि हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचे। इसके लिए ई-केवाईसी अनिवार्य किया गया है। सभी विभागों से ई-केवाईसी की मौजूदा स्थिति की जानकारी भी मांगी गई है।

इन योजनाओं का मांगा हिसाब

मोदी की गारंटी की प्रमुख योजनाओं में कृषि उन्नत योजना के तहत प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपए के हिसाब से, महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपए मासिक आर्थिक सहायता, पांच साल में 1 लाख सरकारी भर्ती, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 18 लाख आवासों की मंजूरी शामिल है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना, दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना, CGPSC भर्ती परीक्षा की जांच, स्टेट कैपिटल रीजन का गठन और श्रीरामलला दर्शन योजना भी प्रमुख हैं।

इन योजनाओं की दिखेगी झलक

सरकार के नए बजट में आयुष्मान योजना में बीमा राशि 10 लाख तक बढ़ाना, बीपीएल बालिकाओं को जन्म प्रमाण-पत्र, गरीब महिलाओं के लिए 500 रुपए में गैस सिलेंडर, भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोग और निगरानी वेबसाइट का निर्माण, हर संभाग में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का निर्माण जैसे कार्य शेष हैं। वित्त विभाग की यह नई तैयारी सुनिश्चित करेगी कि बजट जनता की उम्मीदों और योजनाओं के क्रियान्वयन के अनुरूप हो।

छत्तीसगढ़ के उत्तर-मध्य क्षेत्र में शीतलहर का अलर्ट

शहर सत्ता/रायपुर डेस्क। छत्तीसगढ़ में दिसंबर शुरू होते ही लगभग सभी इलाकों में ठंड तेजी से बढ़ी है। मैनपाट में रात का पारा 4 डिग्री से नीचे चला गया है। यहां ओस की बूंदें जमकर बर्फ बनने लगी हैं। इसी तरह अम्बिकापुर में 4-6°C, रायपुर में 12-13°C, और दुर्ग में 09-11 °C के आस-पास न्यूनतम तापमान चल रहा है। इन सभी जगहों पर पिछले 3 से 4 दिनों में तापमान 3 से 4 डिग्री तक गिरा है।

- **अंबिकापुर में पारा 4.5°C, मैनपाट में ओस जमी**
- **रायपुर-दुर्ग में 3 डिग्री तक गिरा तापमान**

इस बीच मौसम विभाग ने उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीतलहर चलने का अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि, ज्यादातर इलाकों में अगले 2 से 3 दिन तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। लेकिन इसके बाद जरूर ठंड में कमी आ सकती है। इसके अलावा, मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और गिरने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो सबसे ज्यादा तापमान 29.4 °C जगदलपुर और सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.6°C अंबिकापुर में दर्ज किया गया। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही क्षेत्र में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पेंड्रा में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। लगातार गिरते तापमान और शीतलहर के कारण सुबह और रात के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। रायपुर में शीतलहर का असर बढ़ते ही नगर निगम ने आम लोगों को राहत देने के लिए शहर में अलाव जलाने की व्यवस्था शुरू कर दी है।

कांग्रेस की नसीहत, सिर्फ बैठकों तक सिमित नहीं रहें, सड़कों पर उतरें

शहर सत्ता/रायपुर। कांग्रेस के नवनियुक्त जिला और शहर अध्यक्षों की पहली बैठक राजधानी रायपुर स्थित राजीव भवन में संपन्न हुई। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा 14 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'वोट चोर, गद्दी छोड़' महारैली में सहभागिता, ब्लॉक और जिला स्तर पर मासिक बैठकों का आयोजन और संगठन की मजबूती के लिए आगामी रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श हुआ। धान खरीदी में हो रही परेशानियों, जमीन की गाइडलाइन दरों में वृद्धि और बिजली के दामों में 400 यूनिट कटौती जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बैठक में अध्यक्षों को इस बात पर जोर दिया गया कि वे सिर्फ बैठकों तक सीमित न रहें, सड़कों पर भी उतरें। एआईसीसी के सह-सचिव विजय जांगिड़ ने मासिक बैठकें नियमित रूप से करने, ब्लॉकों में प्रभारी नियुक्त करने और महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के साथ समन्वय बनाने पर जोर दिया।

एआईसीसी और पीसीसी के निर्देशों का पालन करना जरुरी - बैज

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा एआईसीसी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह-प्रभारी जरिता लेतफ्लांग और विजय जांगिड़ उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे और डॉ. शिवकुमार डहरिया भी बैठक में शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बैठक में कहा कि देश में पहली बार संगठन सृजन का काम हुआ है और आलाकमान ने सभी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि सभी को सक्रिय रहना होगा, एआईसीसी और पीसीसी के निर्देशों का पालन करना आवश्यक है और भ्रष्ट सरकार के खिलाफ जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। दीपक बैज ने सभी को सोशल मीडिया टीम बनाने, प्रकोष्ठों की नियुक्ति करने और 14 दिसंबर की दिल्ली रैली में अधिक साथियों के साथ भाग लेने का निर्देश दिया।

कलेक्टर ने कहा- वह केंद्र तक पहुंचा ही नहीं

टोकन नहीं मिला तो किसान ने गला काट लिया

शहर सत्ता/महासमुंद/रायपुर। केन्द्रों में धान खरीदी शुरू हुए 21 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सोसाइटियों में टोकन अब तक नहीं कट पा रहे हैं। पिथौरा ब्लॉक में इसी बात से तंग आकर एक किसान ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। गंभीर हालत में किसान को इलाज के लिए राजधानी के डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल रेफर किया गया। किसान की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि खरीदी केंद्र में लगे सीसीटीवी के फुटेज की जांच करवाई है। किसान टोकन कटवाने के लिए खरीदी केंद्र में नहीं पहुंचा है। कहीं और से टोकन कटवाने की कोशिश की होगी। सोसाइटियों में कोई दिक्कत नहीं है। किसान का इलाज करवा रहे हैं।

बोडरीदादर ग्राम पंचायत के रहने वाले किसान मनबोध तांडी (60 वर्ष) धान बेचने के लिए काफी दिनों से परेशान थे। आधार लिंक नहीं होने की वजह से उसका किसान पंजीयन कैरी फॉरवर्ड नहीं हुआ था। इसके लिए वे पिछले तीन दिनों से चॉइस सेंटर के चक्कर काट रहे थे। खरीदी के शुरुआती दौर में कर्मचारियों की हड़ताल और अब किसान पंजीयन की धीमी प्रक्रिया ने उन्हें बुरी तरह परेशान कर दिया था। बताते हैं कि शनिवार सुबह वे घर से मवेशियों को चराने के लिए निकले थे।

इसी दौरान एक खेत के करीब उन्होंने ब्लेड से अपना गला काटकर खुदकुशी की कोशिश की। सुबह करीब 9 बजे आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने देखा, तो मनबोध को जमीन पर तड़पते हुए पाया। ग्रामीणों ने फौरन परिवार के साथ लोकल पुलिस को सूचना दी। किसान को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के तुरंत बाद उन्हें महासमुंद जिला अस्पताल ले जाया गया। ब्लेड काफी अंदर तक घुस चुकी थी, ऐसे में गले में एक पाइप डालकर उन्हें यहां से रायपुर के अंबेडकर रेफर कर दिया गया।

घायल किसान से मिलने मेकाहारा पहुंचा कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

घटना की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल रायपुर के मेकाहारा अस्पताल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने अस्पताल में भर्ती मनबोध गाड़ा के परिवार से मुलाकात की और उनके इलाज और परिवार की हर संभव मदद का भरोसा दिया। जानकारी के अनुसार, मनबोध का ऑपरेशन जारी है और डॉक्टर उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने धान खरीदी में गड़बड़ियों और बागबाहरा के एक किसान द्वारा की गई आत्महत्या की कोशिश के खिलाफ रविवार को उरला में सरकार का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में पंकज शर्मा, विकास उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

ऐसे बनेंगे क्रिकेट की कैपिटल

आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है कि क्रिकेट को आयोजन नहीं, आचरण बनाइए। वर्षों तक एक 'सफेद हाथी की तरह खड़ा रहा नवा रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब बीसीसीआई के शरणागत है। बीसीसीआई और सीएससीएस जो आबाद और राज्य सरकार को बर्बाद करने वाला सौदा आखिरकार पूरा हो गया। हालांकि सौदे की शर्तें, नियम और छत्तीसगढ़ को क्या लाभ मिला इसका खुलास-ऐ-दस्त होना अभी बाकि है। लेकिन छत्तीसगढ़ियों के पैसों से बिना सोचे-समझे बनाये गए इस सफ़ेद हाथी का प्रदेशवासियों को कितना लाभ मिलेगा यह सवाल निर्माण के समय भी पूछा गया था और अब भी यह यक्ष प्रश्न खड़ा है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ (सीएससीएस) ने इसे पाने के लिए 7 वर्षों तक जद्दोजहद किया। फिर बड़ी ही आसान और मुनाफेदार सौदे का हक़दार बीसीसीआई बन गया। इस सौदेबाजी के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार, जनता और क्रिकेट प्रेमियों के अलावा खेल-खिलाड़ियों से जुड़े लोगों तक की अनदेखी की गई। महज मेंटेनेंस, मैच की लालसा में जनता के पैसों से तैयार स्टेडियम को यह सोचकर भी नहीं दिया गया कि कम से कम मैच हो तो स्थानीय खेल प्रेमियों को आसानी से टिकट भी मिल जाए!

3 दिसंबर के भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे ने इन उम्मीदों को फिर जगाया भी और तोड़ा भी। जगाया इसलिए कि स्टेडियम खचाखच भरा था, पिच और आउटफील्ड की बीसीसीआई अधिकारी राजीव शुक्ला, देवजीत सैकिया, प्रभतेज भाटिया, अजीत अगरकर ने जमकर तारीफ़ की। रायपुर अब टेस्ट वैन्यू बनने की दहलीज़ पर खड़ा है और तोड़ा इसलिए कि मैच में जो अव्यवस्था सामने आई, उसने प्रश्न खड़ा कर दिया क्या हम वाकई टेस्ट स्तरीय जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं? क्रिकेट मैच में रोमांच गेंद-बल्ले के बीच होना चाहिए, टिकट खरीदने की जंग में तब्दील नहीं। लेकिन रायपुर में सबसे पहली कड़ी वहीं टूटी। ऑनलाइन टिकटें मिनटों में कैसे गायब हो गईं? इतने बड़े पैमाने पर टिकट कालाबाजारियों तक कैसे पहुँची? क्या सिस्टम में सेंध लगी या सेंध लगाने दी गई? आम दर्शक तो छोड़िए सांसद, विधायक, मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी तक टिकट के लिए भटकते रहे। कई जनप्रतिनिधियों ने तो 'अपमानजनक टिकट संख्या मिलने पर टिकट लौटा भी दिए। किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन का पहला पैमाना होता है दर्शक को सम्मान। रायपुर में दर्शक को टिकट नहीं मिला, भीड़ मिली। पास नहीं मिले, धक्का-मुक्की मिली। यह क्रिकेट प्रेम का सम्मान था या उसकी परीक्षा?

स्टेडियम के भीतर पानी, पेय, फास्ट फूड सब कुछ तीन से चार गुना कीमत पर। दर्शक ने टिकट खरीदा या 'टैक्स भरा? जब पूरे देश में बीसीसीआई का बैंक बैलेंस 2019 में 6,059 करोड़ से बढ़कर 2024 में 20,686 करोड़ हो जाए, तो सवाल उठना स्वाभाविक है क्या क्रिकेट का उद्देश्य रोमांच है या सिफ़्र रेवेन्यू? जब क्रिकेट संगठन अपने ही लोगों को 'प्राथमिकता दे दें और जनता जो क्रिकेट की असली मालिक है, वह बाहर कतार में खड़ी रहे, तो यह क्रिकेट प्रशासन नहीं, व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का मंच बन जाता है। दर्शक सिर्फ टिकट नहीं खरीदते, वे क्रिकेट की अर्थव्यवस्था चलाते हैं, वे स्टेडियम में जान फूंकते हैं, वे क्रिकेट की आत्मा होते हैं। इसलिए अगले मैच से पहले पास सिस्टम में सफाई, टिकटिंग में पारदर्शिता, सुरक्षा में सख्ती, वेंडरों पर नियंत्रण और दर्शक अनुभव पर प्राथमिकता इन पाँचों स्तंभों को मजबूत करना अनिवार्य है।

पंडवानी के पुरोधा नारायण प्रसाद वर्मा

सुशील भोले

आज के नवा छत्तीसगढ़ म पंडवानी गायन ल एक बड़का विधा के रूप म देखे जाथे, माने जाथे अउ गाये घलोक जाथे। एकरे सेती आज एकर गायक-गायिका मनला पद्मश्री अउ पद्मभूषण ले लेके कतकों अकन राष्ट्रीय अउ राज्य स्तर के सम्मान मिलत रहिथे। फेर ये बात ल कतका झन जानथें के ये विधा के जनमदाता कोन आय, ए विधा ल गावत कतका बछर बीत गये हे?

आप मनला ये जान के सुखद आश्चर्य होही के नवा बने जिला बलौदाबाजार के गाँव झीपन (रावन) के किसान मुडिया राम वर्मा के सुपुत्र के रूप म जनमे नारायण प्रसाद वर्मा ला ये पंडवानी विधा के जनमदाता होय के गौरव प्राप्त हे। वोमन गीता प्रेस गोरखपुर ले छपे सबल सिंह चौहान के किताब ले प्रेरित होके वोला इहाँ के लोकगीत मन संग सँझार-मिंझार के पंडवानी के रूप म विकसित करीन।

मोला नारायण प्रसाद जी के झीपन वाला घर म जाये अउ उँकर चौथा पीढ़ी के सदस्य संतोष अउ नीलेश के संगे-संग एक झन गुरुजी ईनू राम वर्मा के संग गोठबात करे के अवसर मिले हे। ईनू राम जी ह नारायण प्रसाद जी के जम्मो लेखा-सरेखा ल सकेले के बड़ सुघ्घर बुता करत हवय। संग म गाँव के आने सियान मन संग घलोक मोर भेंट होइस, जे मन नारायण प्रसाद जी ल, उँकर कार्यक्रम ल देखे-सुने हवयँ। उन बताइन के धारमिक प्रवृत्ति के नारायण प्रसाद जी सबल सिंह चौहान के संगे-संग अउ आने लेखक मन के किताब मन के घलोक खूब अध्ययन करयँ, अउ उन सबके निचोड़ ल लेके वोला अपन पंडवानी के प्रस्तुति म सँघारँय।

पंडवानी शब्द के प्रचलन

नारायण प्रसाद जी ल लोगन भजनहा कहँय, ये हा ये बात के परमान आय के वो बखत तक पंडवानी शब्द के प्रचलन नइ हो पाये रिहिस हे। पंडवानी शब्द के प्रचलन उँकर मन के बाद म चालू होय होही। काबर के आज तो अइसन जम्मो गायक-गायिका मनला पंडवानी गायक के संगे-संग अलग-अलग शाखा के गायक-गायिका के रूप म चिन्हारी करे जाथे। जइसे कापालिक शैली के या फेर वेदमती शाखा के गायक-गायिका के रूप म। नारायण प्रसाद जी अपन संग म एक सहयोगी घलोक राखँय, जेला आज हमन रागी के रूप म जानथन। रागी के रूप म उँकरेच गाँव के भुवन सिंह वर्मा जी उँकर संग म राहँय, जउन खँजेरी बजा के उनला संग देवँय। अउ नारायण प्रसाद जी तंबूरा अउ करताल बजा के पंडवानी के गायन करँय। उँकर कार्यक्रम ल देख के अउ कतकों मनखे वइसने गाये के उदिम करँय, एमा सरसेनी गाँव के रामचंद वर्मा के नॉव ल प्रमुखता के साथ बताये जाथे। फेर उनला वो लोकप्रियता नइ मिल पाइस जेन नारायण प्रसाद जी ला मिलिस।

रतिहा म गाये बर प्रतिबंध

नारायण प्रसाद जी के लोकप्रियता अतका जादा बाढ़गे रिहिस हवय के उनला देखे-सुने खातिर लोगन दुरिहा-दुरिहा ले आवँय। जिहाँ उँकर कार्यक्रम होवय आसपास के गाँव मन म खलप उजर जावय। एकरे सेती चोरी-हारी करइया मन के चाँदी हो जावय। जेन रतिहा उँकर कार्यक्रम होवय वो रतिहा वो गाँव म या आसपास के गाँव म चोरी-हारी जरूर होवय। एकरे सेती उनला रतिहा म कार्यक्रम दे खातिर प्रतिबंध के सामना घलोक करना परीस। एकरे सेती उन पुलिस वाला मन के कहे म सिरिफ दिन के बेरा म ही कार्यक्रम दे बर लागिन। एक मजेदार घटना के सुरता गाँव वाले मन आजो करथें। बताथें के महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र म उँकर कार्यक्रम चलत रिहिसे। उहों ले चोरी-हारी के शिकायत मिले लागिस। अंगरेज शासन के पुलिस वाले मन उनला ये कहिके थाना लेगें के वो ह कार्यक्रम के आड़ म खुद चोरी करवावत हे। बाद म असलियत ल जाने के बाद उनला छोड़ दिये गेइस। उन 18 दिन तक जेल (थाना) म रहिन, अउ पूरा 18 दिन उहाँ पंडवानी सुनाइन. तहाँ ले उनला छोड़ दिए गिस. जानबा राहय के उँकर पंडवानी के कार्यक्रम ह चारोंमुड़ा होवय, उन सबो डहर जावँय।

प्रशासनिक क्षमता

नारायण प्रसाद जी एक उच्चकोटि के कलाकार अउ सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुरोधा होय के संगे-संग प्रशासनिक क्षमता रखने वाला मनखे घलोक रिहिन हें। उन अपन जिनगी के अखिरी साँस तक गाँव पटेल के जिम्मेदारी ल निभावत रिहिन हें। एकर संगे-संग गाँव म अउ कुछु भी बुता होवय त अगुवा के रूप म उन हमेशा आगू रहँय।

लगातार 18 दिन तक कथापाठ

अइसे कहे जाथे के पंडवानी या महाभारत के कथा ल लगातार 18 दिन तक नइ करे जाय। एला जीवन के आखिरी घटना के संग जोड़े जाथे। फेर नारायण प्रसाद जी ये धारणा ल झूठलावत अपन जिनगी म दू पइत ले 18-18 दिन तक पंडवानी के गायन करीन हें। एक पइत जब उन शारीरिक रूप ले बने साँगर-मोंगर रिहिन हें, तब पूरा बाजा-गाजा के संग करे रिहिन हें, अउ दूसरइया बखत जब उँकर शरीर उमर के संग कमजोर परे ले धर लिए रिहिस हे, तब बिना संगीत के सिरिफ एकर वाचन भर करे रिहिन हें। अइसे बताये जाथे के पहिली बखत जब उन 18 दिन तक पंडवानी के गायन करे रिहिन हवँय तब ये अफवाह फैल गे रिहिस हावय के ये 18 दिन के गायन के तुरते बाद उन समाधि ले लेहीं, एकरे सेती उन 18 दिन तक गायन करत हावँय। काबर ते अइसन गायन ल जीवन के अंतिम समय के घटना संग जोड़े के बात जनमानस म रिहिस हे। एकरे सेती उनला देखे के नाम से चारोंमुड़ा ले जनसैलाब उमड़ परे रिहिस हे। दूसरइया बखत जब उन 18 दिन तक पंडवानी के गायन करीन तेकर बाद उन खुदेच जादा दिन तक जी नइ पाइन, कुछ दिन के बाद ही उन ये नश्वर दुनिया ल छोड़ के सरग सिधार देइन।

मठ अउ जनआस्था

हमर समाज म अइसे चलन हवय के घर-गिरहस्ती के जिनगी जीने वाला मन के देंह छोंड़े के बाद उनला मरघट्टी म लेग के आखिरी क्रिया-करम कर दिये जाथे। फेर नारायण प्रसाद जी के संग अइसन नइ होइस। उनला मरघट्टी लेगे के बदला गाँव के तरिया पार म मठ बना के ठउर दे गइस। अउ सिरिफ अतकेच भर नहीं उनला आने गाँव-देंवता मन संग सँघार लिये गइस। अब गाँव म जब कभू तिहार-बार होथे त गांँव वाले मन आने देवी-देवता मन के संग म उँकरो मठ म दीया-बत्ती करथें, अउ उँकर ले गाँव अउ घर खातिर सुख-समृद्धि माँगथें। अइसे कहे जाथे के बछर 1974 म 4 दिसंबर के जब उन सरग सिधारीन तब उँकर उमर करीब 80 बछर के रिहिस हवय। सियान मन बतायें के तिंवरा लुवई के बखत उन सरग लोक वासी होइन.

पारिवारिक स्थिति

नारायण प्रसाद जी के वंशवृक्ष के संबंध म जेन जानकारी मिले हे तेकर मुताबिक उँकर सियान के नॉव मुडिया राम वर्मा रिहिस हे। फेर नारायण प्रसाद जी, नारायण जी के बेटा होइस घनश्याम जी, अउ घनश्याम जी के बेटा होइस पदुम जी। पदुम जी के दू झन बेटा हवँय संतोष अउ निलेश जउन मन अभी घर के देखरेख करत हवँय। इहाँ ये बताना जरूरी लागथे के नारायण प्रसाद जी के बेटा घनश्याम घलोक ह अपन सियान सहीं कथा वाचन करे के कोशिश करँय, फेर उन बिना संगीत के अइसन करँय। उँकर बाद के पीढ़ी म पंडवानी गायन या वाचन डहर कोनो किसम के झुकाव देखे ले नइ मिलिस।

जब गोरसी तापत अँगाकर दमोरन...

तब जाड़ ह हमर मन बर तिहार बरोबर जनावय. अग्घन-पूस दू महीना तो गजबे निक जनावय. हमर गाँव-गँवई म ए बेरा ह धान मिंजई के बेरा होथे. धान मिंजई माने बेलन खेदना अउ बीच-बीच म बेलन ले उतर के चारों मुड़ा बगरे पैर म उलानबाटी खेलना.

गाँव म किसान-किसानीन, बनिहार-कमईया सबोच के दिनचर्या बियारा म पैर बगराना, बेलन फाँदना, कलारी म खोभा मारना, धान के दाना मन झरझें, त पैरा ल झर्रावत हेरना अउ पैरावँट म गाँजत जाना, पैर के झरे जम्मो धान मनला सकेल के एक तीर म रास मढ़ाना, फूल-पान नरियर चघा के हूम-धूप देना. तेकर पाछू फेर वोला काठा म राम ले लेके सरा (1 ले 20) तक के गिनती गिनत नापना. एक सरा माने एक खाँड़ी पूर जाय त फेर एक बाजू म वोकर खातिर एक मुठा धान के कुढ़ेना मढ़ा देना. अइसने एकक मुठा करत बीस मुठा हो जावय, त फेर एक गाड़ा (बीस खाँड़ी) के वो सबो कुढ़ेना ल एक तीर सकेल दिए जाय. घर के सियान- सियानीन मन तो अतकेच म चिथियाय राहँय, फेर हमन कूद-फाँद अउ एती-वोती धूम-धड़ाका म राहन. सूत के उठन तहाँ ले बियारा के आगू म गड्ढा खान के बनाए कौड़ा म आगी तापना. थोकिन चरचराए असन लागिस तहाँ ले मुखारी चगलत तरिया जाना, फेर उहाँ नहाए के पहिली घठौंदा म बगरे चिरी मनला सकेल के भुर्री बारना. भुर्री के दगत ले धरारपटा तरिया म कूद के निकलना अउ झटपट कपड़ा पहिर के फेर भुर्री तापना. घर म आवन त घीव चुपरे अँगाकर रोटी बर झपेट्टा मारन. अउ देखन त अँगाकर के फोकला अतका मन हमर बाँटा म राहय अउ वोकर जम्मो गुदा मनला हमर बिन दाँत के भोभला बबा खातिर अलगिया दे राहय. हमन बस गोरसी तापत फोकला अतका ल झड़कन तहाँ फेर स्कूल के बेरा हो जावय.संझा स्कूल ले लहुटे के पाछू फेर बियारा म धान मिंजाय बर बगरे पैर म चलत बेलन म चढ़ना, बीच-बीच म उलानबाटी खेलना चालू हो जावय. कभू-कभू बियारा म गाड़ा ल पैरा म तोप के रतिहा के रखवारी करइया मन बर बनाए कुंदरा म खुसरना, उहाँ माढ़े जिनिस मनला देखना-हुदरना बस अतकेच म बेरा पहा जावय. मुँधियार अस जनावय त फेर घर कोती जाना, चिमनी अँजोर म गुरुजी मन घर म लिखे-पढ़े बर कुछू अढ़ोय राहय तेला सिध पारन. फेर रतिहा बियारी के पाछू डोकरी दाई जगा कहानी सुनना. सबो भाई-बहिनी गोरसी के आँवर-भाँवर बइठ के कहानी सुनन. एक झन कोनो ह हुँकारू देवय. हमर तो कहानी सुनत ही नींद पर जावय, कतका जुवर कोन ह हमला खटिया म ढनगा दिस तेकरो गम नइ मिलय. इतवार के छुट्टी के दिन के दिनचर्या ह थोरिक अलगे राहय. ए दिन बिहनिया गोरसी तापत अँगाकर रोटी दमोरे के पाछू खेत डहार जावन. कोनो मिठहूँ असन बोइर के पेड़ म चढ़ना, कोनो पाके असन दिखत बोइर वाले डारा ल हलाना, फेर खाल्हे म उतर के पेंठ के दूनों खीसा म खसखस के बोइर ल भरना तहाँ ले खेत म उल्होए तिंवरा भाजी ल सुरर-सुरर के हकन के कोल्हान नरवा कोती बढ़ जावन. कभू कभू तो सबो संगी तिंवरा भाजी ल रोंध के खाए खातिर तेल-फूल जइसे जम्मो जिनिस मनला अपन-अपन घर ले धर ले राहन अउ नरवा खँड़ म आगी सिपचा के वोला रोंध के खावन।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-अब राजभवन ह लोकभवन अउ सचिवालय ह कर्तव्य भवन कहाही जी भैरा.

-हव जी कोंदा.. समाचार चैनल मन म महूँ अइसने सुनत रेहेंव अउ गुनत घलो रेहेंव के का सिरतोन म उहाँ के कर्मचारी अधिकारी मन के व्यवहार ह लोकसेवक या जबर कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी मन बरोबर दिखही ते पहिली च असन अपनआप ल जनता के भाग्यविधाता समझत रइहीं?

-हाँ.. ए बात ल ठउका कहे संगी.. जब तक उहाँ बुता करइया मन के चाल चरित्तर अउ व्यवहार म बदलाव नइ आही तब तक सिरिफ ईंटा सिरमिट के बने बंगला भवन मन के नॉव बदले भर म कुछू नइ होय.

-सही आय संगी.. तोला सुरता हे नहीं.. इहाँ एक पइत मंत्री मनला बिन लाल बत्ती के गाड़ी म किंजरे बुले के प्रयोग करे गे रिहिसे.. के दिन चले रिहिसे वो राजनीतिक ढकोसला ह?

-हव जी.. सुरता हे.. अब ए मंत्री संत्री मनला ही देख लेना अपनआप ल जनता के सेवक अन कहिके लुढ़ारत रहिथें, फेर असल म उन खुद ल कहूँ के राजा महाराजा बरोबर देखाए अउ बताए के उदिम करत रहिथें.. अइसन म का इँकर व्यवहार म सिरतोन म बदलाव आही?

साप्ताहिक शहर सत्ता

गोवा क्लब हादसा : 25 लोगों की मौत का गुनहगार कौन?

क्लब मैनेजर समेत 4 स्टाफ अरेस्ट, मालिक फरार; जांच के लिए बनी कमेटी

पणजी। उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में एक नाइट क्लब में शनिवार (6-7 दिसंबर 2025) की देर रात आग लगने से कम से कम 25 कर्मचारियों की मौत हो गई. मामले पर गोवा पुलिस प्रमुख आलोक कुमार ने बताया कि आग सिलेंडर फटने के कारण लगी. पुलिस महानिदेशक ने कहा, "कम से कम 23 शव बरामद किए गए हैं. मरने वालों में क्लब के कर्मचारी शामिल थे." गोवा पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने बताया कि कुछ लोगों की जान आग की लपटों से गई, जबकि कई की मौत दम घुटने से हो गई. पुलिस ने यह भी बताया कि क्लब में उस समय बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।

गोवा के अरपोरा नाइट क्लब में देर रात भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई. इस घटना के वीडियो में नजर आ रहा है कि कैसे डांस फ्लोर पर मौज-मस्ती अचानक चीख-पुकार में बदल गई. इस मामले में नाइट क्लब के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने चीफ मैनेजर और 3 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है. क्लब मालिक फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं जिसकी तलाश की जा रही है.

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कर्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हादसे की मजिस्ट्रेट जांच का आदेश देते हुए घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है. हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और कई केंद्रीय मंत्रियों ने दुख जताया है।

गोवा सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

सीएम सावंत ने कहा, 'मुख्य सचिव, डीजीपी, आईजीपी, सचिव, राजस्व कलेक्टर, उत्तर एसपी सहित अपने संबंधित अधिकारियों के साथ एक तत्काल और उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई, जिसमें मजिस्ट्रेट जांच कराने का निर्णय लिया.'उन्होंने कहा कि डीजीपी को क्लब के मालिक और मैनेजर सहित दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं. सीएम ने मृतकों के परिजनों के लिए 5-5 लाख रुपये और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये मुआवजा की घोषणा की है.

अधिकारियों पर भी गिरेगी गाज

सीएम सावंत ने उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही है, जिन्होंने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के बावजूद क्लब को चलने दिया. मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि बाकी सात की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. एफआईआर में गोवा नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के साथ-साथ मैनेजर और आयोजकों का नाम भी शामिल है.

अब तक इन लोगों की हुई है गिरफ्तारी

अरपोरा-नागोआ के पंचायत सरपंच रोशन रेडकर को आग लगने की घटना के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है. उन्हें 2013 में परिसर के लिए व्यापार लाइसेंस जारी करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था. नाइटक्लब में लगी आग मामले में गोवा के DGP आलोक कुमार ने कहा, "गिरफ्तार किए गए लोगों में चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोदक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजवीर सिंघानिया और गेट मैनेजर प्रियांशु ठाकुर शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेनाएं बहुत अधिक कर सकती थी : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार (07 दिसंबर, 2025) को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल 'और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना. उन्होंने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया. राजना सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (BRO) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था. मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं.'सिंह ने कहा, 'यह समन्वय ही हमारी पहचान है.

'ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम का बदला था'

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई को शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाना था. यह अभियान जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किये गए उस हमले का बदला लेने के लिए शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे और इस हमले में जान गंवाने वालों में से अधिकतर पर्यटक थे.

उन्होंने कहा, 'कुछ ही महीने पहले, हमने देखा कि कैसे पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के जवाब में, हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और दुनिया जानती है कि उन्होंने आतंकवादियों के साथ क्या किया.'रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, 'बेशक, अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था.'

रिपोर्ट : भारत में हैं 15 लाख स्कूल और 12,700 उच्च शिक्षा संस्थान

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में जितने भी देश हैं, सभी शिक्षा को विशेष महत्व देते है क्योंकि सभी को पता है कि शिक्षित नागरिक ही किसी देश का निर्माण करता है और देश का भविष्य बनाता है. दुनियाभर में शिक्षा को विकसित देशों की नींव माना जाता है और इसी कारण अलग-अलग राष्ट्र अपने अपने स्तर पर स्कूलों और कॉलेजों का विशाल नेटवर्क तैयार करते है. हालांकि, एक दिलचस्प सवाल हमेशा चर्चा में रहता है, आखिर दुनिया में सबसे ज्यादा स्कूल और कॉलेज किस देश में है? और इस सूची में भारत किस स्थान पर आता है?

भारत की जनसंख्या और शिक्षा की जरूरत

भारत विश्व का सातवां और जनसंख्या के मामले में दुनिया में नंबर 1 पर आता है. सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत की कुल जनसंख्या में 46.9% लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र 25 साल से कम है, जो भारत को युवा देश बनाता है. इतनी बड़ी शिक्षा प्राप्त करने वाली जनसंख्या होने पर, क्या हमारे देश में शिक्षण संस्थानों का नेटवर्क या संख्या भी उतनी ही बड़ी है कि हम इतनी विशाल जनसंख्या को शिक्षा मुहैया करवा सके.

भारत में सबसे ज्यादा शिक्षण संस्थान

आपको जानकर गर्व होगा कि भारत के अंदर दुनिया में सबसे ज्यादा शिक्षण संस्थान (स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय) हैं. भारत के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन का नंबर आता है. गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है कि भारत में माध्यमिक विद्यालयों की संख्या पूरे विश्व में सबसे ज्यादा है, जहां 9वीं से 12वीं तक के बच्चों या स्टूडेंट्स के लिए 139,539 शिक्षण संस्थान उपलब्ध हैं, जो कि दर्शाता है कि भारत शिक्षा के प्रति जागरूक है.

यूरोपीय यूनियन ने X पर लगाया 12 हजार करोड़ का जुर्माना

वाशिंगटन। 6 दिसंबर 2025 को यूरोप के बड़े-बड़े देश यानी यूरोपीय यूनियन ने एलन मस्क की कंपनी X पर बहुत बड़ा जुर्माना लगा दिया. यह जुर्माना करीब 12 करोड़ यूरो का है,

यानी करीब 140 मिलियन डॉलर. अगर इसे भारतीय रुपयों में कन्वर्ट करें, तो करीब 12.59 हजार करोड़ रुपए होते हैं. यह पहली बार है जब यूरीपीय यूनियन ने अपना नया कानून डिजिटल सर्विसेज एक्ट (DSA) का इस्तेमाल करके किसी कंपनी को सजा दी है.2022 में एलन मस्क ने ट्विटर को खरीद लिया था. उसके बाद उन्होंने प्लेटफॉर्म में बड़े बदलाव किए. सबसे बड़ा ब्लू चेकमार्क सिस्टम का. पहले ये चेकमार्क सिर्फ मशहूर और ऑथेंटिक लोगों को मिलता था, लेकिन मस्क ने कहा कि अब कोई भी पैसे देकर ये बैज ले सकता है. यूरोपीय यूनियन को यह पसंद नहीं आया.2023 में यूरोपीय यूनियन ने कहा, 'यह तो धोखा है. लोग सोचेंगे कि जो अकाउंट ब्लू चेक वाला है, वो ऑथेंटिक है, लेकिन असल में कोई भी फर्जी आदमी पैसे देकर ये ले सकता है. इससे यूजर्स को ठगने वाले स्कैम, नकली अकाउंट्स और बुरे लोगों के जाल में फंसने का खतरा बढ़ जाता है।

सोशल मीडिया पर मंधाना ने लिखा- मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं, अब आगे बढ़ने का वक्त

स्मृति-पलाश की शादी कैंसिल

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी। शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं।

प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं- स्मृति

स्मृति ने पोस्ट में लिखा- पिछले कुछ हफ्तों से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, इसलिए मुझे लगा कि इस समय मुझे खुद इस बारे में बात कर देनी चाहिए। मैं बहुत निजी स्वभाव की इंसान हूं और अपनी प्राइवेसी बनाए रखना चाहती हूं, लेकिन यह साफ करना जरूरी है कि शादी अब कैंसिल हो गई है। मैं चाहती हूं कि यहीं इस मामले को खत्म कर दिया जाए और आप सभी से भी यही अनुरोध है कि इस विषय को आगे न बढ़ाएं। कृपया इस समय दोनों परिवारों की निजी जिंदगी का सम्मान करें और हमें थोड़ा समय दें।

पलाश बोले- जो सबसे पवित्र था, उस पर ऐसी बातें होना दुखद

पलाश ने इंस्टा स्टोरी में लिखा- मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने और अपनी निजी रिश्ते से पीछे हटने का फैसला किया है। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल स्थिति रही है, खासकर तब जब लोग बिना किसी आधार के फैल रही अफवाहों पर इतनी आसानी से रिएक्ट करते हैं। जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र थी, उसी पर ऐसी बातें होना बेहद दुखद है। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर है, और मैं इसे अपनी मान्यताओं पर टिके रहते हुए शांत और सम्मानजनक तरीके से संभालूंगा। मैं सच में उम्मीद करता हूं कि हम एक समाज के रूप में यह सीखें कि किसी के बारे में बिना सत्यापित खबरों और अनजान सोर्स वाली गॉसिप पर भरोसा करके तुरंत फैसला न करें। हमारे शब्द कभी-कभी ऐसे घाव दे सकते हैं जिनकी गहराई हम समझ भी नहीं पाते। मेरी टीम उन लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी जो झूठी और बदनाम करने वाली बातें फैला रहे हैं। इस कठिन समय में जिन्होंने मेरे साथ खड़े होकर मेरा साथ दिया, उनके लिए मैं दिल से धन्यवाद करता हूं।

कोहली तोड़ सकते हैं सचिन का 100 शतकों वाला रिकॉर्ड

विराट कोहली को लेकर चर्चा होती रहती है कि क्या वह 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं. वह टेस्ट और टी20 से पहले ही रिटायरमेंट ले चुके हैं, अब सिर्फ भारत के लिए वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं. लेकिन उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जैसा फॉर्म दिखाया है, उससे उम्मीद जागी है कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 शतक भी पूरे कर सकते हैं और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं. इस चर्चा के बीच दिग्गज सुनील गावस्कर ने भी अपनी राय दी है, उनके अनुसार अगर ऐसा हो तो कोहली इस आंकड़े तक पहुंच सकते हैं.

विराट कोहली का ऑस्ट्रेलिया दौरा अच्छा नहीं रहा था, वह 2 मैचों में लगातार 'डक' आउट हुए थे . हालांकि तीसरे वनडे में उन्होंने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली, इस शानदार फॉर्म को उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीनों मैचों में जारी रखा. कोहली ने रांची ओडीआई में 135 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली.विराट कोहली किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने थे, उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था. सचिन ने टेस्ट में 51 शतक लगाए हैं. रायपुर में खेले गए दूसरे ओडीआई में शतक जड़कर कोहली के वनडे शतकों की संख्या 53 हो गई है.

सचिन के रिकॉर्ड पर क्या बोले सुनील गावस्कर

विराट कोहली ने तीसरे वनडे में 65 रनों की नाबाद पारी खेली, और अगर लक्ष्य बड़ा होता तो यकीनन कोहली का 54वां वनडे शतक देखने को मिलता. अगर ऐसा होता तो ये कोहली का 85वां इंटरनेशनल शतक होगा. दिग्गज सुनील गावस्कर मानते हैं कि अगर कोहली को पर्याप्त समय मिले तो वह सचिन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं. उन्होंने जियोसिनेमा पर बात करते हुए अपनी राय दी. सुनील गावस्कर ने कहा 'क्यों नहीं? अगर विराट कोहली 3 साल और खेलते हैं तो यहां से उन्हें 16 शतक और चाहिए. जिस तरह वह खेल रहे हैं, उन्होंने 3 मैचों की सीरीज में 2 शतक जड़े हैं. आगे चलकर, अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 3 मैचों की सीरीज में 2 शतक लगते हैं तो वह 86 पर पहुंच जाएंगे. इसलिए उनके 100 तक पहुंचने की संभावना बड़ी है, बहुत अच्छी है.'

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल शतक

सचिन तेंदुलकर (भारत)- 100

विराट कोहली (भारत)- 84*

रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया)- 71

कुमार संगाकारा (श्रीलंका)- 63

जैक कालिस (दक्षिण अफ्रीका)- 62

शतक भी नहीं आएगा काम, जायसवाल होंगे टीम से बाहर

नई दिल्ली। विशाखापट्टनम के मैदान में एक तरफ भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से रौंदा, जिससे उसने सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमाया. दूसरी ओर यह मुकाबला यशस्वी जायसवाल के लिए भी बहुत खास साबित हुआ. जायसवाल सीरीज के पहले 2 मैचों में फ्लॉप रहे थे, लेकिन अंतिम वनडे में उन्होंने सब्र का बांध टूटने नहीं दिया और नाबाद 116 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की. अब सवाल है कि क्या शतक के बाद जायसवाल की वनडे टीम में जगह पक्की हो जाएगी? यशस्वी जायसवाल टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा रहे हैं, लेकिन वनडे टीम में उनकी जगह पक्की नहीं हो पाई है. ODI टीम के नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण जायसवाल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में जगह मिली थी. जायसवाल ने मौके को भुनाते हुए सीरीज के 3 मैचों में 78 के औसत से 156 रन बनाए.ऐसे में सवाल उठता है कि जब शुभमन गिल वापस आ जाएंगे, तब जायसवाल को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी या नहीं. जायसवाल टॉप ऑर्डर बल्लेबाज हैं, लेकिन भारत की वनडे टीम में टॉप ऑर्डर तो क्या नंबर-5 तक कोई जगह खाली नहीं है. कप्तान शुभमन गिल काफी समय से रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कर रहे हैं. वहीं तीसरा बल्लेबाजी क्रम विराट कोहली के पास है।

कुनाल बने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के टॉप स्कोरर

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-2026 के ग्रुप स्टेज मुकाबले जारी हैं. अधिकतर टीमें 6-6 मुकाबले खेल चुकी हैं. आयुष म्हात्रे जो पहले टॉप रन स्कोरर थे, वो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं. पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा तीसरे स्थान पर हैं, हालांकि वह अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में नजर आएंगे. टूर्नामेंट में अभी सबसे ज्यादा विकेट राजस्थान टीम के अशोक शर्मा के नाम हैं, दूसरे स्थान पर यश ठाकुर हैं.शनिवार को त्रिपुरा के खिलाफ उत्तराखंड के कुनाल चंडेला ने 37 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली और टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर बन गए. आयुष म्हात्रे दूसरे नंबर पर आ गए हैं, उत्तराखंड का ये छठा मैच था, जिसके बाद कुनाल के 6 पारियों में कुल 343 रन हो गए हैं. दूसरे स्थान पर पहुंचे आयुष म्हात्रे ने 6 मैचों में 325 रन बनाए हैं. आयुष अभी तक 2 शतक लगा चुके हैं. जबकि कुनाल की सर्वाधिक पारी 94 रनों की है. 304 रनों के साथ पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर पर हैं, लेकिन वह अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए नेशनल टीम में जुड़ेंगे. टॉप-10 लिस्ट में ईशान किशन 7वें नंबर पर हैं, जिन्होंने 6 मैचों में 271 रन बनाए हैं.

स्टार्क के 8 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने जीता गाबा टेस्ट, 2-0 से आगे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 8 विकेट से हरा दिया है. गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को मात्र 65 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने सिर्फ 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया. अब पांच मैचों की सीरीज में कंगारुओं ने इंग्लैंड पर 2-0 की बढ़त बना ली है. इस मुकाबले में जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे पहला टेस्ट शतक लगाया था.इससे पहले पर्थ टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी. गाबा टेस्ट में जो रूट के नाबाद 138 रनों की बदौलत इंग्लैंड ने पहली पारी में 334 रन बनाए थे. जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बना डाले, जिससे उसे पहली पारी में 177 रनों की विशाल बढ़त मिली. ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में किसी भी बल्लेबाज ने शतक नहीं लगाया, लेकिन स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, जैक वेदराल्ड, एलेक्स कैरी और मिचेल स्टार्क ने अर्धशतक लगाया.मैच में बने रहने के लिए इंग्लैंड को दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना था, लेकिन एक-एक कर लगातार विकेट गिरते रहे और टीम दूसरी पारी में 241 रनों पर ढेर हो गई।

सोने के दाम में गिरावट

नई दिल्ली। भारत में शनिवार, 6 दिसंबर को सोने के दाम में गिरावट देखने को मिली. 100 ग्राम सोने की

कीमत में 5,400 रुपये और 24 कैरेट सोने की कीमत में 540 रुपये की गिरावट देखने को मिली. इसी तरह से 22 कैरेट और 18 कैरेट के भी भाव गिर गए. वहीं, दूसरी तरफ अगर चांदी की बात करें, तो इसकी कीमत रिकॉर्ड हाई लेवल के पास ही बरकरार रही. 24 कैरेट सोने का भाव 6 दिसंबर को 540 रुपये घटकर 1,30,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जबकि 5,400 रुपये गिरकर 100 ग्राम की कीमत 13,01,500 रुपये दर्ज की गई. इसके साथ ही 8 ग्राम सोना 432 रुपये गिरकर 1,04,120 रुपये और 1 ग्राम सोना 54 रुपये कम होकर 13,015 रुपये पर आ गया. 22 कैरेट की बात करें तो, 10 ग्राम सोने का रेट 500 रुपये गिरकर 1,19,300 रुपये और 100 ग्राम सोने का रेट 5,000 रुपये गिरकर 11,93,000 रुपये पर आ गया है. इस बीच, 8 ग्राम और 1 ग्राम सोने की कीमतें भी कम हुई हैं, जो क्रमशः 400 रुपये और 50 रुपये गिरकर 95,440 और 11,930 रुपये पर आ गई हैं.

2026 के अंत तक आ सकता है SpaceX का IPO

नई दिल्ली। स्पेस ट्रांसपोर्टेशन और सैटेलाइट बनाने वाली एलन मस्क (Elon Musk) की कंपनी स्पेसएक्स (SpaceX) अपने इनसाइडर शेयर बेचने की तैयारी कर रही है. इससे इसकी वैल्यू 500 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगी. ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से इसकी जानकारी दी है. इसका मतलब यह है कि स्पेसएक्स, ओपनएआई का रिकॉर्ड तोड़ने की राह पर है, जिसने अपने शेयर बेचकर 500 बिलियन डॉलर का वैल्यूएशन हासिल किया था, ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है. सूत्रों के हवाले से ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इनसाइडर शेयर बेचने से स्पेसएक्स का वैल्यूएशन लगभग 800 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है.इस मामले की जानकारी रखने वाले कुछ लोगों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि कंपनी का लेटेस्ट टेंडर ऑफर इनसाइडर सेलर्स और बायर्स की दिलचस्पी या दूसरे फैक्टर्स के आधार पर बदल सकता है.।

US डॉलर के मुकाबले 90.46 के सबसे निचले स्तर पर आया रुपया

रुपए को अपना रास्ता खुद ढूंढना होगाः वित्तमंत्री

नई दिल्ली। भारतीय करेंसी रुपया इन दिनों अपने सबसे निचले स्तर पर है. बुधवार को रुपये ने 90 के स्तर को तोड़ते हुए ऑल-टाइम लो लेवल पर पहुंच गया. डॉलर के मुकाबले रुपये में आ रही इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बाजार में रुपये के मुकाबले डॉलर की अधिक मांग है. इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ट्रेड डील पर रूकी हुई बातचीत को भी रुपये में आई गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है. रुपये में आई इस गिरावट को लेकर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बयान आया है.उनका मानना है कि भारत के मजबूत ग्रोथ आउटलुक के बीच भारतीय करेंसी अपना रास्ता खोज लेगी. हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट (HTLS) के 23वें एडिशन में वित्त मंत्री ने कहा, "रुपये को अपना रास्ता खुद ढूंढ़ना होगा." वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि करेंसी लेवल पर बहस में मौजूदा आर्थिक हकीकत को शामिल किया जाना चाहिए, न कि उनकी तुलना पिछली स्थितियों से की जानी चाहिए.वित्त मंत्री ने कहा, "इकॉनमी के फंडामेंटल्स को देखें, ग्रोथ को देखें. करेंसी पर बहस को मौजूदा हकीकत के हिसाब से तय किया जाना चाहिए, न कि पिछली स्थितियों से सीधे-सीधे तुलना की जानी चाहिए." वित्त मंत्री ने आगे कहा, "जहां तक रुपये-डॉलर एक्सचेंज रेट की बात है, जब करेंसी की वैल्यू कम होती है, तो स्वाभाविक तर्क यह होता है कि एक्सपोर्टर्स को इसका फायदा उठाना चाहिए. इत्तेफाक से, कुछ लोग कहते हैं कि US टैरिफ के समय, इससे कुछ राहत मिली है. भले ही यह सच हो, मैं उस एक्सप्लेनेशन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूं - लेकिन यह सच है कि इसके साथ-साथ इकॉनमी की मजबूती का भी आकलन किया जाना चाहिए."

बता दें कि 4 दिसंबर को भारतीय रुपया US डॉलर के मुकाबले 90.46 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जिसका मुख्य कारण भारत-US ट्रेड डील में देरी और भारतीय शेयर बाजार से लगातार विदेशी पूंजी का निकलना है. खास बात यह है कि जब रिटेल महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और GDP ग्रोथ 8 परसेंट से ऊपर है, तब डॉलर के मुकाबले घरेलू करेंसी का कमजोर होना अचरज की बात है. दूसरी तिमाही में GDP ग्रोथ छह तिमाहियों के सबसे ऊंचे लेवल 8.2 परसेंट पर पहुंच गई. दूसरी ओर, भारत की रिटेल महंगाई अक्टूबर में 0.25 परसेंट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई. वित्त मंत्री का मानना है कि आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ बनी रहेगी और कुल मिलाकर इस साल (FY26) की ग्रोथ 7 परसेंट या उससे भी ज़्यादा हो सकती है.

साप्ताहिक शहर सत्ता

प्रदेश में 22.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी

4.39 लाख से अधिक किसानों ने बेचा धान, किसानों को 5277 करोड़ रूपए का भुगतान

शहर सत्ता/रायपुर। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सिलसिला तेजी के साथ जारी हैं। पिछले माह के 14 नवंबर से शुरू हुए धान खरीदी महाअभियान में पांच दिसम्बर को सवेरे 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार 22 लाख 39 हजार 433 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान की खरीदी हो चुकी है। अब तक 4 लाख 39 हजार 511 पंजीकृत किसानों ने धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत भुगतान हेतु मार्कफेड द्वारा 5277 करोड़ रूपए जारी किए गए है। चालू खरीफ सीजन के लिए इस वर्ष 27 लाख 30 हजार 96 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिसमें 31 लाख 51 हजार 771 हेक्टेयर रकबा शामिल है।

राज्य में सभी जिलों में धान खरीदी जारी है। धान खरीदी से अब तक महासमुंद जिला सर्वाधिक 15 लाख 19 हजार 650 क्विंटल धान खरीदकर पहले पायदान पर है। वहीं गरियाबंद जिले 6 लाख 73 हजार 495 क्विंटल धान खरीदकार दूसरे नम्बर पर है। इसी तरह बिलासपुर जिले 6 लाख 73 हजार 65 क्विंटल धान खरीदकर तीसरे स्थान हासिल की है। हांलाकि कांकेर जिला 6 लाख 15 हजार 431 क्विंटल धान खरीदी कर चौथे पायदान पर बने हुए है। पांच लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी वाले जिले में धमतरी और मुंगेली जिले शामिल हैं, वहीं चार लाख क्विंटल से अधिक खरीदी वाले जिले सूरजपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, बेमेंतरा, बालोद और कोण्डागांव शामिल हैं। किसानों को अब तक 8 लाख 97 हजार 779 टोकन जारी किए गए हैं। वहीं आगामी दिवस 8 दिसम्बर को धान खरीदी के लिए किसानों को 50 हजार 234 टोकन जारी हुए हैं। इस वर्ष शुरू किए गऐ टोकन तुहर एप्प ऑनलाईन व्यवस्था से किसानों को काफी सहुलियत मिल रही है। किसान समितियों द्वारा की जा रही सभी आवश्यक व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। राज्य शासन गठित राज्य और जिला स्तरीय दलों द्वारा प्रदेश सहित राज्य के सीमावर्ती इलाकों में अवैध धान परिवहन, भंडारण तथा विक्रय पर कड़ी निगरानी की जा रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार धान खरीदी के साथ-साथ किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान भी शुरू कर दिया गया है। राज्य के किसानों से क्रय किए गए धान के मूल्य भुगतान के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने मार्कफेड को 26,200 करोड़ रूपए की बैंक गारंटी पहले से दे रखी है। किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए सभी केन्द्रों में पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है। धान खरीदी की व्यवस्था पर निगरानी के लिए सभी केन्द्रों में अधिकारी तैनात किए गए हैं। राज्य स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारी लगातार दौरा कर धान खरीदी एवं केन्द्रों की व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं।

प्रदेश में अवैध भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय करते 1 लाख 52 हजार क्विंटल धान जब्त

शहर सत्ता/रायपुर। एक नवंबर से 6 दिसम्बर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों से एक लाख 51 हजार 809 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाए गए हैं।

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 6 दिसम्बर के अवधि में मण्डी अधिनियम 1972 के तहत सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान पर कार्यवाही की जा रही है। इनमें सर्वाधिक महासमुंद जिले में 25,718 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसी प्रकार धमतरी में 23,859 क्विंटल रायगढ़ जिले में 21,331 क्विंटल, राजनांदगांव 14,977 क्विंटल, बलरामपुर जिले में 9771 क्विंटल, बेमेतरा में 6490 क्विंटल, कवर्धा में 5734 क्विंटल, बालोद में 4595 क्विंटल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 3770 क्विंटल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 2868 क्विंटल, जशपुर जिले में 2771 क्विंटल, सूरजपुर जिले में 2650 क्विंटल, दुर्ग में 2350 क्विंटल, जांजगीर-चांपा में 2014 क्विंटल, बलौदाबाजार में 1855 क्विंटल, बीजापुर जिले में 1842 क्विंटल, रायपुर में 1679 क्विंटल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 1583 क्विंटल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1500 क्विंटल, बस्तर जिले में 1560 क्विंटल, मोहला-मानपुर-चौकी में 1402 क्विंटल, गरियाबंद में 1393 क्विंटल, कोरबा में 1346 क्विंटल, सरगुजा में 1282 क्विंटल, कोरिया में 1237 क्विंटल, सक्ती में 1201 क्विंटल, कोण्डागांव जिले में 1148 क्विंटल, बिलासपुर में 1060 क्विंटल, कांकेर जिले में 1012 क्विंटल, मुंगेली में 917 क्विंटल, दंतेवाड़ा में 445 क्विंटल, नारायणपुर में 323 क्विंटल, सुकमा में 216 क्विंटल धान जब्त किए गए हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में सर्वाधिक 18 लाख रुपए के धन संग्रहण के लिए कलेक्टर सम्मानित

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में इस वर्ष प्रदेश में सर्वाधिक 18 लाख रुपए के धन संग्रहण के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को सम्मानित किया। रायपुर जिले की इस उपलब्धि से सैन्य कर्मियों और उनके परिजनों के कल्याण हेतु जनसहभागिता को और मजबूती मिलेगी।

संघर्ष को शक्ति में बदलेगा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा

2026-27 में जनता के लिए खोला जाएगा, 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र को जोड़ेगा

मुख्य बिंदु

- 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को जोड़ता है
- यह 465 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है
- 7 घंटे और 132 किलोमीटर की दूरी कम करने में मदद मिलेगी

शहर सत्ता/रायपुर। आगामी रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा उन लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित समाधान जैसा लगता है जिनकी आजीविका इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग पर निर्भर करती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, छत्तीसगढ़ के जंगलों, ओडिशा के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों तक फैला हुआ है। यह गलियारा कुल 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा एनएच-26 की 597 किमी की दूरी घटकर 465 किमी हो जाएगी - जिससे दूरी में 132 किमी और यात्रा समय में लगभग सात घंटे की बचत होगी। इससे ईंधन की बड़ी बचत होगी, जनता और माल ढुलाई ऑपरेटरों के लिए परिवहन लागत कम होगी।

जो काम पहले 12 घंटे में पूरा होता था, वह अब केवल 5 घंटे में पूरा हो जाएगा और प्रधानमंत्री गति शक्ति विजन के तहत तेज लॉजिस्टिक्स और निर्बाध कनेक्टिविटी के द्वार खुलेंगे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के उद्योगों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा क्योंकि वे सीधे विशाखापत्तनम बंदरगाह और चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएंगे। इसका मतलब होगा बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों से बेहतर कनेक्टिविटी, तेज निर्यात, सुचारू आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार को एक मजबूत बढ़ावा, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में भारी वृद्धि होगी। यह गलियारा पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और रोजगार सृजन तथा रियल एस्टेट विकास के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देगा।

तीन राज्यों में 15 नियोजित परियोजनाओं के माध्यम से निर्मित, रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, जीवन में बदलाव लाने वाले बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जैसे-जैसे यह परियोजना पूरी होने के करीब पहुंच रही है, यह मंत्रालय के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसके तहत ऐसे राजमार्ग बनाए जाएंगे जो न केवल स्थानों को जोड़ेंगे, बल्कि लाखों लोगों के लिए संभावनाओं को भी जोड़ेंगे।

किसानों की जमीनों की बढ़ गई कीमत

किसानों का कहना है ग्रीनफील्ड हाईवे परियोजना शुरू होने के बाद से जमीन की कीमतें बढ़ गई हैं। वे कहते हैं, "पहले हमारी जमीन की कीमत लगभग 15 लाख रुपये प्रति एकड़ थी। अब यह लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो गई है। यहां के किसान वाकई खुश हैं।" वे बताते हैं कि कैसे कनेक्टिविटी-आधारित विकास ग्रामीण संभावनाओं को नया रूप दे रहा है। "हम किसान हैं। पहले तो हमें ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए अपनी जमीन देने में दुख हुआ। यह आसान नहीं था। लेकिन अब, जैसे-जैसे गलियारा तैयार हो रहा है, हमें उम्मीद जगी है। हमारी जमीन की कीमत दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है, और हम जानते हैं कि यह विकास हमारे परिवारों के लिए और ज्यादा अवसर लेकर आएगा।

हमने जो खोया था, वह अब बेहतर भविष्य में बदल रहा है।" आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के जामी गांव में रहने वाले एक और किसान श्रीनिवासुलु अपना अनुभव साझा करते हैं। वे कहते हैं, "मैंने ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए 1.10 एकड़ जमीन दी है, जिसके लिए मुझे उचित मुआवजा मिला है। इसके अलावा, बाकी जमीन की कीमत में भी काफी वृद्धि हुई है। गांव के ग्रामीण और किसान इस बनने वाले ग्रीनफील्ड हाईवे को लेकर खुश हैं।"

असूलों के पक्के और सादगी पसंद थे पूज्य पिता जी

शनिवार 6 दिसंबर को ग्वालियर में हरिभूमि समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पूज्य पिता स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी की तेरहवीं एवं प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, परिवार के शुभचिंतकों और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के दिग्गज राजनेता शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित किए। स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी का त्रयोदशी कार्यक्रम 6 दिसंबर को सुबह 11 बजे ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में रखा गया।

- 25 नवंबर को श्री कीर्तिनारायण द्विवेदी का 84 वर्ष की आयु में देवलोक गमन
- शनिवार 6 दिसंबर को ग्वालियर में तेरहवीं एवं प्रार्थना सभा में पहुंचे गणमान्य
- हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ.हिमांशु, रवि और पुत्री डॉ.राखी के पिता थे
- त्रयोदशी आयोजन में शांति पाठ व प्रार्थना सभा में नतमस्तक हुए दिग्गज राजनेता

शहर सत्ता/रायपुर। हरिभूमि मीडिया समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिता कीर्तिनारायण द्विवेदी का 84 वर्ष की आयु में 25 नवंबर को देवलोक गमन हुआ। वे हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद रहे पं.बृजनारायण 'बृजेश' के मंझले सुपुत्र थे। वह लंबे समय तक मध्य प्रदेश शासन के कृषि विभाग में अधिकारी रहे। अंतिम संस्कार 26 नवंबर, बुधवार को निज निवास 3, सिंधी कालोनी ग्वालियर से लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में किया गया। स्व.कीर्तिनारायण द्विवेदी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके बड़े सुपुत्र डॉ. हिमांशु द्विवेदी और पुत्रवधु पूजा द्विवेदी हैं। छोटे सुपुत्र रवि द्विवेदी और पुत्रवधू कीर्ति द्विवेदी ग्वालियर स्थित हाईकोर्ट के प्रसिद्ध एडवोकेट हैं। पुत्री डॉ. राखी और दामाद डा. अविनाश शर्मा ख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। तत्कालीन गुना जिला अंतर्गत ईशागढ़ में जन्में श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी ने गवालियर स्थित कृषि महाविद्यालय से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की, उनका विवाह ग्वालियर के ही प्रतिष्ठित पटेरिया परिवार में रमा जी के साथ हुआ।

स्वावलंबन और स्वाभिमानी व्यक्तित्व

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी के परिचितों के मानस पटल में उनका एक आदर्श स्वरुप आज भी चित्रित है। पिता जी स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी स्वावलंबन और स्वाभिमान कूट-कूट कर भरा था। उनकी इन्हीं विरासत का ख़ालिस अक्स उनके ज्येष्ठ पुत्र डॉ. हिमांशु द्विवेदी, कनिष्ट पुत्र वरिष्ठ अधिवक्ता रवि द्विवेदी और पुत्री डॉ. राखी शर्मा में देखा जा सकता है। सख्त मिज़ाज़ लेकिन अनुशासित पिता की भूमिका, कृषि विभाग के काबिल अधिकारी और अपने अंतिम चरण में अर्द्धांगिनी श्रीमती रमा जी द्विवेदी संग स्वनिर्मित आवास में रहना उनके स्वावलंबन और स्वाभिमानी व्यक्तित्व को दर्शाता है।

पूरे ग्वालियर में फैल गई पुत्रों की कीर्ति

ग्वालियर में सादगी और सदाचरण के लिए जाना जाने वाला स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी जी और उनके पुत्रों की कीर्ति का भान पिता जी के देवलोक गमन के पश्चात जानने वालों को हुआ। स्वर्गीय कीर्ति नारायण जी की अंतिम यात्रा से लेकर उनके त्रयोदशी कार्यक्रम और प्रार्थना सभा मे केंद्रीय मंत्रियों, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार समेत अन्य राज्यों के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, दिग्गज राजनेताओ समेत, न्यायापालिका, ब्यूरोक्रेसी समेत मीडिया संस्थानों के दिग्गज बुद्धिजीवियों के शामिल होने से पूरे ग्वालियर को पता चला कि पिता के नाम के साथ पुत्रों की कीर्ति भी कुछ कम नहीं थी।

मंत्री, सांसद और दिग्गज नेता हुए नतमस्तक

श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। घर पर सबसे पहले राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा विधायक मोहन सिंह राठौड़, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, डॉ. ए.एस. भल्ला, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष भूपेंद्र द्विवेदी, एडवोकेट पवन पाठक, डॉ. अशोक मिश्रा सहित शहर के अनेक वरिष्ठ जन मौजूद रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य नागरिकों ने कहा कि स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी का जीवन सादगी, विनम्रता और निरंतर कर्मशीलता की मिसाल रहा है। वे सदैव लोगों को जोड़ने वाले, मुस्कुराकर हर परिस्थिति का सामना करने वाले और रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति थे। उनके देवलोक गमन को सभी ने एक अपूरणीय क्षति बताया।

कैप्टन अभिमन्यु ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भाजपा के वरिष्ठ नेता और हरियाणा के तत्कालीन वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु , वीरसेन सिंधु समेत बिहार के मंत्री और छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन प्रभारी नितिन नबीन समेत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के अलावा समस्त मंत्रियों और भाजपा विधायकों ने कहा कि स्वर्गीय कीर्ति नारायण द्विवेदी का जीवन सादगी, विनम्रता और निरंतर कर्मशीलता की मिसाल रहा है। वे सदैव लोगों को जोड़ने वाले, मुस्कुराकर हर परिस्थिति का सामना करने वाले और रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति थे। उनके देवलोक गमन को सभी ने एक अपूरणीय क्षति बताया। दुःख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार को सभी ने ढांढस बंधाया।

शहर सत्ता परिवार और पत्रकार बिरादरी ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पूज्य पिता स्व.कीर्ति नारायण द्विवेदी जी के त्रयोदशी कार्यक्रम और प्रार्थना सभा में छत्तीसगढ़ जगत की पत्रकार बिरादरी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। साप्ताहिक समाचार पत्र शहर सत्ता के प्रधान संपादक सुकांत राजपूत, महाप्रबंधक प्रदीप चंद्रवंशी, प्रमुख संवादाता विकास यादव, खेल प्रतिनिधि सुमित यादव एवं रवि लाल ने हुतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वरिष्ठ पत्रकार अनिल पूसदकर, राजकुमार सोनी, उचित शर्मा, अजित परमार, वीरेंद्र शर्मा समेत समस्त पत्रकार ने शोक संतप्त परिवार के लिए प्रार्थना की है।

'धुरंधर' बनी बॉक्स ऑफिस पर महारथी?

'धुरंधर' पर्दे पर रिलीज हो चुकी है और इसकी कमाई है जो रुकने का नाम ही नहीं ले रही. रिलीज के पहले से ही इसके लेकर बज बना हुआ था और फैंस ने बेसब्री से फिल्म का इंतजार भी किया. अब जब फिल्म पर्दे पर रिलीज हो चुकी है तो ऑडियंस भी अपने प्यार दिखाने से कतरा नहीं रहे हैं. रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस में तबाही मचाने शुरू कर दी है. आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म ने शुरुआती दो दिनों में ही 100 करोड़ के आंकड़े के पास पहुंचने का रिकॉर्ड बना दिया है और अब फिल्म जिस तरह से प्रदर्शन कर रही है उसे देखकर लग रहा है कि पहले वीकेंड में ही ये 150 करोड़ के आसपास का आंकड़ा भी टच कर लेगी.

रणवीर सिंह की मोस्ट अवेटेड फिल्म फाइनली थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है. इसमें कमाल की स्टारकास्ट और गजब की कहानी देखी जा सकती है जिस वजह से फिल्म इतनी जबरदस्त तरीके से पैसे कमा रही है. इसके अलावा कई कारण है जिस वजह से आदित्य धर की 'धुरंधर' को इतना पसंद किया जा रहा है. क्रिटिक्स भी फिल्म की कहानी,विजुअल्स ,स्टारकास्ट समेत हर एक चीज की तारीफ करने में लगे हुए हैं. 'धुरंधर' के हिट होने का पहले कारण ये है कि इसे आदित्य धर के निर्देशन पर बनाया गया है. आदित्य धर की बात करें तो वो देशभक्ति फिल्में बनाने में माहिर हैं. उनकी डेब्यू फिल्म 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' इस बात का परफेक्ट उदाहरण है. दूसरी वजह की बात करें तो वो ये है कि 'धुरंधर' के रिलीज के पहले से ही इसे लेकर काफी बज क्रिएट हुआ था. फर्स्ट लुक से लेकर ट्रेलर रिलीज तक, फैंस का एक्साइटमेंट गजब का रहा. फिल्म को लेकर अलग-अलग कयास लगाए गए कि ये गैंगस्टर ड्रामा है या कुछ और. 'धुरंधर' को मेजर मोहित शर्मा के बायोग्राफी से भी कनेक्ट किया जाने लगा.

फिल्म में कमाल के गाने और म्यूजिक एड किए गए हैं. अरिजीत सिंह, जैस्मीन सैंडल्स, मधुबन्ती बागची समेत कई कलाकारों ने 'धुरंधर' के एल्बम के लिए अपनी गायकी का जलवा बिखेरा है. इतना ही नहीं फिल्म के ट्रेलर में 65 साल बाद सूफी सॉन्ग 'न तो कारवां की तलाश है' सुनने को मिला. जो ऑडिएंस के लिए किसी स्पेशल ट्रीट से कम नहीं था. फिल्म में तीन-तीन खलनायक दिखाए गए जो अपने रोल्स में बिल्कुल माहिर हैं. संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना तीनों ही विलेन के किरदार के लिए परफेक्ट हैं।

साली के घर से पकड़ाए डायरेक्टर विक्रम भट्ट

व्यापारी से 30 करोड़ ठगने का आरोप

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट को मुंबई और राजस्थान पुलिस ने रविवार को अरेस्ट किया है। उन पर उदयपुर के एक व्यापारी से 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस टीम ने मुंबई के यारी रोड इलाके के गंगा भवन अपार्टमेंट से उन्हें पकड़ा यह घर उनकी साली का है। राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की FIR दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई थी। दिनेश कटारिया ने उन्हें पत्नी की बायोपिक बनाने का प्रस्ताव दिया और कहा कि फिल्म के जरिए पूरा देश उनकी पत्नी के योगदान को जान पाएगा। इस सिलसिले में दिनेश कटारिया ने 24 अप्रैल 2024 को मुंबई स्थित वृंदावन स्टूडियो बुलाया था।यहां उनकी मुलाकात फिल्ममेकर विक्रम भट्ट से कराई गई थी। उन्होंने बायोपिक बनाने पर चर्चा की थी। बातचीत के दौरान यह तय हुआ था कि फिल्म बनाने की पूरी जिम्मेदारी विक्रम भट्ट लेंगे और उन्हें सिर्फ पैसे भेजते रहना होगा। विक्रम भट्ट ने अजय मुर्डिया से कहा कि उनकी पत्नी श्वेतांबरी और बेटी कृष्णा भी फिल्ममेकिंग से जुड़ी हैं। विक्रम भट्ट ने पत्नी श्वेतांबरी की फर्म VSB LLP को पार्टनर बनाया था। उनके बीच 'बायोनिक' और 'महाराणा' नाम की दो फिल्मों के लिए 40 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट हुआ था। 31 मई 2024 को विक्रम भट्ट को 2.5 करोड़ रुपए RTGS किए गए। कुछ दिन बाद 7 करोड़ रुपए की मांग हुई और कहा गया कि 47 करोड़ में 4 फिल्में बनेंगी, जिससे करीब 100-200 करोड़ तक का मुनाफा होगा।

2025 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए ये 7 वेबसीरीज

2025 में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड और साउथ की कई धमाकेदार सीरीज रिलीज हुईं. इनको लेकर दर्शकों के बीच शानदार बज बनते भी देखा गया. लेकिन इनमें से कुछ चुनिंदा सीरीज ही हैं जिन्हें दर्शकों का सबसे ज्यादा प्यार मिला. इतना ही नहीं इन शोज को इस साल गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च भी किया गया. इस लिस्ट में हिंदी सीरीज ने बाजी अपने नाम कर ली है. इस साल सबसे ज्यादा सर्च की गई ये सीरीज

1. स्क्विड गेम

ये दुनिया की सबसे खतरनाक सीरीज में से एक है. जहां जिंदगी और मौत का खेल देखने को मिलता है. अब तक इस सीरीज के तीन सीजन्स आ चुके हैं और तीनों को ही जबरदस्त प्यार मिला है. इस पॉपुलर थ्रिलर सीरीज को आप नेटफ्लिक्स पर एंजॉय कर सकते हैं.

2. पंचायत

जितेंद्र कुमार की हिट कॉमेडी सीरीज भी इस लिस्ट का हिस्सा है. 2025 में सीरीज का चौथा सीजन रिलीज हुआ और दर्शकों का प्यार भी इसके लिए उमड़ पड़ा. प्राइम वीडियो के शो में इस बार फुलेरा के चुनाव और राजनीति के बारे में दिखाया गया था.

3. बिग बॉस

सलमान खान का कॉन्ट्रोवर्शियल शो टीवी चैनल कलर्स के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होता है. ये टीवी शो दर्शकों के फेवरेट लिस्ट में शामिल है. ऑडिएंस इसे बड़े चांव से देखती है. गूगल सर्च लिस्ट में सलमान खान के शो ने तीसरे नंबर पर अपनी जगह बनाई.

4. द बैड्स ऑफ बॉलीवुड

आर्यन खान ने इस सीरीज से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू किया. किसी को भी उम्मीद नहीं थी इसे इतना प्यार मिलेगा. एक्शन, कॉमेडी और रोमांच से भरपूर नेटफ्लिक्स के इस शो को बहुत पसंद किया गया और इस साल गूगल पर ऑडियंस ने इसे काफी बार सर्च भी किया है. सीरीज में लक्ष्य, राघव जुयाल, सहर बांबा, आन्या सिंह समेत कई बड़े कलाकार देखे गए. शाहरुख खान, सलमान खान समेत कई बड़े सेलेब्स ने अपने कैमियो रोल से ऑडियंस का दिल जीत लिया.

5. पाताल लोक

प्राइम वीडियो का ये क्राइम थ्रिलर लंबे समय से ऑडियंस को एंटरटेन कर रही है. शो में जयदीप अहलावत के वर्सेटालिटी का भी प्रमाण देखने को मिलता है. इस सीजन की कहानी नागालैंड के हाई प्रोफाइल के मर्डर केस के इर्द-गिर्द घूमती है.

6. स्पेशल ऑप्स

जिओ हॉटस्टार की ये सीरीज स्पेशल ऑफिसर हिम्मत सिंह और उनके टीम की कहानी है. जहां के के मेनन ने हिम्मत सिंह का रोल बढ़िया तरीके से निभाया है. 2025 में सिरीज का सीजन 2 रिलीज हुआ और ये ओटीटी पर छा गई. गूगल पर भी इस साल सीरीज को सबसे ज्यादा सर्च किया गया.

7. वेन लाइफ गिव्स यू टैंगरिन्स

ये एक कोरियन ड्रामा है. आजकल कोरियन ड्रामा का कितना क्रेज है इससे तो सभी वाकिफ हैं. नेटफ्लिक्स की इस सीरीज में आपको प्यार, धोखा और एंबीशन की कहानी देखने को मिलेगी. स्टारकास्ट पर गौर करें तो इसमें आईयू, पार्क बो गम, मून सो-री समेत कई बड़े एक्टर्स देखने को मिलेंगे.

छत्तीसगढ़ में रहस की प्रस्तुति में रोमांचक नागलीला

डा. उग्रसेन कन्नौजे

रहस का यह अदभुत दृश्य छत्तीसगढ़ अंचल में काफी लोकप्रिय है। नागलीला संध्या को होती है। इसमें दो दृश्य मुख्य होते हैं। एक तो गजग्राह युद्ध और विष्णु अवतार कृष्ण द्वारा उद्धार। दूसरा कतिपय मर्दन गज और ग्राह बांस और रंगीन कागज से बनाए जाते हैं। नाव या कड़ाह में दो ओर से नाविकों द्वारा इनका युद्ध कराया जाता है।

अन्त में विष्णु तीसरी नाव में जो कि गरुड़ के आकार का होता है आते हैं और ग्राह को मार कर गज का उद्धार करते हैं। इसका दूसरा रूप या दृश्य अत्यंत रोमांचकारी होता है। कहीं कहीं कलाकार खंभे से कोई तार किसी पेड़ की मजबूत डाल से बांध देते हैं और गरुड़ के रूप में वह डोली में कोई बालक कृष्ण के रूप में चक्र और गदा लिए सुशोभित रहता है। गज उद्धार के लिए गरुड़ के आकार की डोली रस्सी के सहारे हवा में चलने लगती है। चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट और जय जयकार होने लगती है।

यह प्रदर्शन खतरे से खाली नहीं है। कभी कभी तार में आग भी पकड़ लेती है। नागलीला का दूसरा भाग कालिया मर्दन है। इस स्वरूप के प्रदर्शन को प्रदर्शित करना बहुत कठिन होता है। नृत्य, संवाद और संगीत से युक्त होता है। इसमें हारमोनियम, तबला और झांझ प्रयुक्त होते हैं।

छुही मिलने के कारण छुईखदान हुआ नाम

वीरेन्द्र बहादुर सिंह

छुईखदान रियासत छुईखदान, बोड़तरा, बिड़ोरा और समई से मिलकर बनी एक छोटी रियासत थी। छत्तीसगढ़ फ्यूडेटरी स्टेटस का कथन है कि छुईखदान रियासत का मूल केन्द्र बिन्दु कोंड़का था। चूंकि कोंड़का, परपोड़ी के अत्यंत निकट है और दोनों जमींदारियों के बीच शत्रुता की स्थिति निर्मित होती रहती थी। इसलिए इस जमींदारी के तीसरे प्रमुख महंत तुलसीदास ने इस स्थान को छोड़कर छुईखदान में अपना स्थाई निवास बना लिया था। छत्तीसगढ़ की 14 रियासतों में सबसे छोटी रियासत में जगह जगह चूने का पत्थर मिलता था, इनमें से संडी नामक गांव का पत्थर उच्च कोटि का माना जाता था। चूना पत्थर को छत्तीसगढ़ी बोली में छुही कहा जाता है जो मिट्टी के घरों की दीवार को पुताई करने के लिए काम आता है। इस मिट्टी की घोल से एक विशेष किस्म की मंद सुहानी सुगन्ध आती है। चूंकि रियासत में सफेद मटमैले रंग की छुही मिट्टी बड़ी मात्रा में मिलती थी, इस कारण इस स्थान का नाम छुईखदान पड़ा।

छत्तीसगढ़ी पद्य में व्यंग्य विधा पर एक नजर

डा. मंजू शर्मा

छत्तीसगढ़ी पद्य में व्यंग्य जितना प्रखर और विस्तृत है, गद्य में उतना मुखरित और व्यापक नहीं हो सका है। इसके प्रकाशन की समस्या भी है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ी पत्र पत्रिकाओं में प्रयुक्त व्यंग्य को विवेचित किया जा सकता है, लेकिन समग्र प्रतिभा को समेटकर जय प्रकाश मानस की प्रथम पुस्तिका' कलादास की कलाकारी' उल्लेखनीय है, जो बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक के रूप में समादृत है।' कुर्सी' शीर्षक व्यंग्य रचना कुर्सी के महात्म्य को ही अनावृत नहीं करता, वरण आज की राजनीतिक विद्रूपता को भी प्रकट करता है। पंचायती राज के सपना आज की शासन प्रणाली और नौकरशाही के पाटों में पिसती जनता की आर्त वाणी है। महात्मा गांधी ने जो सपना देखा था, उसका दृश्य यहां दृष्टव्य है। प्रेमचंद के पंच अब नहीं रहे। यह सब सपने टूट बिखर गए। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जो मोहभंग हुआ, उसका एक प्रमुख कारण पंचायत की पवित्रता का प्रदूषित होना भी है। कबीर ने जिस सदगुरु को ईश्वर से भी ज्यादा महत्व दिया था, आज वह व्यवसायी और अवसरवादी हो गया है। कबीर ने जो भी सोच कर बलिहारी गुरु आपकी लिखी थी, आज उस गुरु की बलिहारी ही है। उसकी महिमा अनंत है, रहस्यमय है। प्रभुता' माटी तेल के' शीर्षक व्यंग्य निबन्ध में मिट्टी तेल की महिमा के बहाने व्यंग्य का सुंदर वृत्त ही बना दिया गया है। भले यह वैदिक काल में उल्लेखित नहीं है, फिर भी कलयुग में इसका बखान है। यह राजा से देव तक सबके लिए उपयोगी है। देवता गण दुखी हैं कि सागर मंथन में यह उन्हें नसीब नहीं हुआ, लेकिन कलयुगी मनुष्य ने मिट्टी से इसे निकाल लिया।

रीति रिवाज से निभाई जाती है पानी लगिन

दिनेश वर्मा

मान्यता है कि कार्तिक एकादशी को श्री विष्णु भगवान चार माह के योग निद्रा से जागृत होते है, इसे अंचल में देव उठनी, देवोत्थान व प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। इस तिथि के पश्चात अंचल में मांगलिक कार्य आरंभ हो जाता है। मांगलिक कार्य हेतु शुभ तिथि (मुहूर्त) के लिये हिन्दू पंचांग, जन्म कुंडली व अन्य दस्तावेज में देखा जाता है किन्तु गरियाबंद जिला के छुरा विकास खंड के गोंड़ आदिवासी समाज में शुभ मुहूर्त देखने के लियेश् पानी लगिन (खरी चुनई) करतें हैं, यह समाज द्वारा मान्य विधि है।

पानी लगिन देखने के लिए आंगन को गोबर से लीप कर स्थल को शुद्ध किया जाता है, फिर उस स्थल के मध्य मे धान का चौक (यंत्र) बनाया जाता है। इस चौक के बीचों-बीच शुद्ध जल से भरे हुए फुलकांस के बटकी (पात्र) को रख दिया जाता है। इस क्रिया के बाद परिवार और समाज के लोग चौक के चारों ओर बैठकर भूमियार देव, कुल देव, ग्राम्य देव व गृह देव का आहवान कर बटकी के जल में खरी डालतें हैं। इसमें खरी चावल और उड़द के दाने होतें है। यह तीन बार विषम संख्या के क्रम में बटकी के जल में डाला जाता है पांच, सात या नौ की संख्यामें प्रायः डाला जाता है। यदि बटकी के जल में चावल और उड़द के दाने डूब गए तो लगिन नहीं होता, पर यदि बटकी के जल में चावल के दाने जोड़ी-जोड़ी में तैरते रहे और उड़द अकेले रहे, तब पानी लगिन शुभहो जाता है। बटकी के जल में खरी डालते समय देवों को पूछा जाता है ₹ इस आंगन में इन बच्चों (वर-वधु का नाम) का मड़वा गढ़ सकता है कि नहीं? या फलां लोग (नाम) ढेड़हीन, सुवासिन बन सकते हैं कि नहीं ? आदि... आदि...। पानी लगिन को सर्व मान्य कर मांगलिक कार्य आरम्भ किया जाता है। थी। सन 1815 में राजा सुभद्रसाय का देहांत हो गया। राजा सुभद्रसाय का शासन काल उत्साहवर्धन नहीं कहा जा सकता। हालांकि उन्हें सारंगढ़ रियासत के विकास का अवसर नहीं मिला, किन्तु यह भी सत्य है कि राजा विश्वनाथ साय विस्तारित सारंगढ़ रियासत को वे संभाल नहीं पाए तथा विभिन्न साम्राज्यवादी शक्तियों के बीच संतुलन रख पाने में नाकामयाब सिद्ध हुए।

साप्ताहिक शहरसत्ता

इंडि-गो 'फ्लाइट फेल'

सरकार खफा, DGCA ने CEO को जारी किया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। इंडिगो के फ्लाइट्स कैंसिलेशन की वजह से दिल्ली, मुंबई से लेकर चेन्नई एयरपोर्ट्स तक त्राहिमाम-त्राहिमाम मची हुई है. सरकार ने इसके लिए इंडिगो एयरलाइन को जिम्मेदार ठहराया है. डीजीसीए की ओर से इंडिगो के सीईओ को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है, जिसमें पूछा गया है कि आपके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए?डीजीसीए के नोटिस में कहा गया है कि इतने यात्रियों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए आप पर क्यों न पेनल्टी लगाई जाए. निगरानी ने साफ-साफ कहा कि अगर असंतोषजनक जवाब मिला तो एयरलाइन कंपनी को भारी पेनल्टी झेलनी पड़ सकती है.

CEO पर एयरलाइन संचालन की जिम्मेदारी: DGCA

DGCA ने साफ कहा है कि CEO की जिम्मेदारी है कि एयरलाइन सुचारू ढंग से चले, लेकिन यात्री सुविधाओं और संचालन को सुनिश्चित करने में CEO नाकाम रहे. अब CEO से कहा गया है 24 घंटे में बताएं कि DGCA क्यों आपके खिलाफ कार्रवाई न करे. अगर जवाब नहीं दिया गया तो DGCA अपने हिसाब से फैसला करेगा.

एयरलाइन ने यात्रियों को जरूरी सुविधाएं भी नहीं दीं: DGCA

नोटिस में कहा गया है कि इतने बड़े पैमाने पर ऑपरेशन फेल होना यह दिखाता है कि प्लानिंग, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में गंभीर कमी है. एयरलाइन ने कई नियमों का पालन नहीं किया है. DGCA का यह भी आरोप है कि IndiGo ने यात्रियों को समय पर देरी और कैंसिलेशन की सूचनाएं नहीं दी और न ही जरूरी मदद मुहैया कराई, जोकि नियमों का उल्लंघन है.

ये सरकार के मोनोपॉली का नतीजा-डीके शिवकुमार

भारत अपने इतिहास की सबसे बुरी विमानन मंदी का सामना कर रहा है. हज़ारों उड़ानें रद्द हो गई हैं, जिससे हमारे लोग हर जगह फंस गए हैं. इंडिगो की यह घटना सरकार के एकाधिकार मॉडल का सीधा नतीजा है और हमेशा की तरह, इसकी कीमत आम भारतीय ही चुका रहे हैं. बेंगलुरु का केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो भारत का तीसरा सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है और जहां सालाना लगभग 4 करोड़ यात्री आते-जाते हैं, पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है. इससे परिवारों, व्यवसायों और हमारी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है. मैं केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि वह तुरंत कार्रवाई करे और इस स्थिति को नियंत्रण में लाए. हमारे लोग इससे बेहतर के हकदार हैं.

इंडिगो बोली- 95% रूट पर फ्लाइट शुरू अबतक ₹610 करोड़ रिफंड किए

इंडिगो में पिछले चार दिनों से चल रहे ऑपरेशनल संकट में थोड़ी राहत दिखी। एयरलाइन ने दावा किया कि उसके 95% रूट पर उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। 138 में से 135 डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट रवाना हो गईं। इंडिगो ऑपरेशन संकट के बीच रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को ₹610 करोड़ का रिफंड कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भर रही हैं। इंडिगो के CEO ने पीटर एल्बर्स ने बताया कि आज हम 138 में से 137 डेस्टिनेशंस पर 1650 फ्लाइट ऑपरेट कर रहे हैं। ऑन टाइम परफॉर्मेंस (OTP) 75% रहने का अनुमान है। शनिवार को यह आंकड़ा 1500 था। आमतौर पर एयरलाइन रोजाना करीब 2300 उड़ानें ऑपरेट करती है। हमारी सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य हो रही हैं। आज भी इंडिगो की 650 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इनमें दिल्ली, चेन्नई, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, मुंबई, त्रिची से जाने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। इससे पहले एयरलाइन ने शुक्रवार को लगभग 1600 फ्लाइट और शनिवार को लगभग 800 फ्लाइट कैंसिल की थीं।

रायपुर से 24 घंटे में 20 उड़ानें रद्द

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो की फ्लाइट क्रू स्टाफ और पायलट की कमी के चलते लगातार रद्द हो रही हैं। रायपुर में भी पिछले 24 घंटे में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, इंदौर, गोवा और कोलकाता आने-जाने वाली करीब 20 उड़ानों को रद्द किया गया है। इससे 7 हजार यात्री प्रभावित हुए हैं। 6 दिसंबर यानि आज कोलकाता, हैदराबाद और इंदौर की 3 फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इसके कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ गई हैं। परेशान यात्रियों के मुताबिक, एयरपोर्ट ऑथोरिटी के तरफ से कुछ भी जानकारी नहीं दी जा रही है। 5 और 6 दिसंबर इन दो दिनों में रायपुर एयरपोर्ट में सबसे ज्यादा इंडिगो के यात्री परेशान रहे। आज दिल्ली और मुंबई जाने वाले यात्रियों में कई ऐसे भी थे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट पकड़नी थी। आज शाम की ज्यादातर फ्लाइट भी कैंसिल रहेंगी। सुबह से ही एयरपोर्ट पर तनाव का माहौल है। लोग इंडिगो के स्टाफ से बहस करते रहे, और कई बार काउंटर पर धक्का-मुक्की तक हुई।

पांच दिनों में तीन हजार फ्लाइटें रद्द यात्री आक्रोशित

DGCA के नए नियम से इंडिगो में स्टाफ की कमी हुई

इंडिगो की समस्या की सबसे बड़ी और तात्कालिक वजह फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों का दूसरा और अंतिम चरण लागू होना है। DGCA द्वारा जारी ये नियम पायलटों और केबिन क्रू के काम करने के घंटों और अनिवार्य आराम की अवधि को नियंत्रित करते हैं ताकि उनकी थकान को नियंत्रित किया जा सके और उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इंडिगो पर असर

उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, इंडिगो के बड़े पैमाने पर संचालन (Large-scale operations), हाई-फ़्रीक्वेंसी नेटवर्क और उच्च विमान/क्रू उपयोग (High Aircraft/Crew Utilisation) मॉडल के कारण, नए नियमों का पालन करने के लिए उसे अचानक अतिरिक्त क्रू की भारी आवश्यकता महसूस हुई, जिसके लिए वह तैयार नहीं थी।

प्लानिंग में चूक

DGCA का मानना है कि इंडिगो के क्रू प्लानिंग में गंभीर खामियां थीं और उन्होंने नए नियमों को लागू करने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएँ नहीं की थीं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एयरलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया।

इंडिगो ने नियम क्यों नहीं माने सरकार पर भी सवाल

एयरलाइंस पायलट एसोसिएशन के कैप्टन अनिल राव पायलट और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं। राव कहते हैं, 'हमने DGCA और सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से यही सवाल किया है कि ये संकट अचानक क्यों आया। FDTL का नियम 2 साल से लागू किया जा रहा है। एयरलाइन कंपनी के पास इसे लागू करने के लिए काफी वक्त था। फिर भी ऐसा नहीं किया गया।' 'DGCA और सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को पता था कि नए नियमों के हिसाब से एयरलाइंस काम नहीं कर रही हैं।' सरकार कैसे कह सकती है कि ये अचानक हो गया। सरकार चाहे तो खुद जांच कर सकती है कि ये पायलट और क्रू की कमी की वजह से हुआ या फिर कोई और वजह थी। कैप्टन अनिल राव कहते हैं, 'ये कहना गलत है कि सब कुछ अचानक हो गया है। FDTL 1 नवंबर से लागू है और ये संकट करीब 35 दिन बाद आया। एटीसी और क्रू के रिकॉर्ड देखें तो पता चलेगा कि सारे पायलट और क्रू टाइम पर जा रहे थे, फिर फ्लाइट आने-जाने में देरी क्यों हुई। ये पूरी व्यवस्था पारदर्शी नहीं है।

इस स्थिति के लिए सिर्फ इंडिगो जिम्मेदार

एविएशन एक्सपर्ट जीतेंद्र भार्गव कहते हैं, 'इस पूरी अफरातफरी के लिए सिर्फ इंडिगो जिम्मेदार है। एयरलाइन कंपनियों के अनुरोध पर ही DGCA ने दो फेज में नियम लागू करवाए थे। शायद इंडिगो के मैनेजमेंट को बहुत ज्यादा भरोसा था कि नियम लागू करवाने में थोड़ा और वक्त ले लेंगे। कंपनी को पता चल गया कि DGCA ने उसका अनुरोध नहीं माना। उसके पास इतने पायलट नहीं हैं कि सारा ऑपरेशन नॉर्मल तरीके से हो।' भार्गव आगे कहते हैं, 'नियमों में बदलाव के हिसाब से ज्यादा स्टाफ की जरूरत थी। DGCA का सामान्य नियम है कि एक पायलट एक साल में 1000 घंटे से ज्यादा उड़ान नहीं भर सकता है। अभी दिसंबर है। मुमकिन है कि नवंबर तक कई पायलट ने अपनी लिमिट पूरी कर ली हो और वे उपलब्ध न हों। इसमें कई सारे फैक्टर एक साथ जुड़े हैं।' 'इंडिगो के पास दो ही विकल्प थे। पहला, जो अभी हुआ है। उन्होंने सारी फ्लाइट्स का शेड्यूल वैसा ही रखा। बाद में उन्हें कैंसिल करना पड़ा और यात्रियों को दिक्कतें हुईं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27